शर्मा हार्डओयेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 192 | गुवाहाटी | बुधवार, 12 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

डॉलर के मुकाबले रुपया ही नहीं दुनियाभर की करेंसी भी गिरी : वित्त मंत्री पेज 2
लोकसभा में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने तिब्बत में चीन के प्रस्तावित सबसे ... पेज 3
महाकुंभ की दिव्यता देख पक्ष ही नहीं विपक्ष भी संगम में डुबकी लगाने के लिए व्याकुल पेज 5
राष्ट्रीय खेल : टेबल टेनिस में पश्चिम बंगाल ने दोनों टीम इवेंट्स में जीते गोल्ड पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

ईर्ष्या तथा अंहकार को दूर कर दो, संगठित होकर दूसरों के लिए कार्य करना सीखो।
– स्वामी विवेकानंद

न्यूज गैलरी

रास में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तकरार

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा में मंगलवार को भारतीय संविधान की छप रही नई प्रतियों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तकरार देखने को मिली। विपक्ष ने इसे बाबा साहब भीमराव आंबेडकर को विवाद में लाने की कोशिश बताया। वहीं, सत्ता पक्ष ने विपक्ष के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि इनको तकलीफ क्यों हो रही है। विपक्षी कांग्रेस के सदस्य सदन की कार्यवाही से वॉकआउट -शेष पृष्ठ दो पर

ईवीएम का डेटा डिलीट या रीलोड न किया जाए...

एससी ने ईसी को दिया आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से ईवीएम की बर्न मेमोरी के प्रमाणीकरण के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया बताने को कहा है। कोर्ट ने ये आदेश मंगलवार को ईवीएम की मेमोरी और माइक्रोकंट्रोलर के प्रमाणीकरण और जांच की प्रक्रिया के संबंध में दिशा-निर्देश तय करने की मांग पर सुनवाई के दौरान दिये। हालांकि, कोर्ट ने अभी चुनाव आयोग को मामले में औपचारिक नोटिस जारी नहीं किया है। लेकिन, आयोग से अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पूछी है। मामले में कोर्ट तीन मार्च को फिर सुनवाई करेगा। ये आदेश प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने ईवीएम की बर्न मेमोरी और माइक्रोकंट्रोलर के वैरीफिकेशन (जांच) की प्रक्रिया पर सवाल उठाने के मामले में सुनवाई के दौरान दिये। पीठ ने कहा कि वह सिर्फ इतना जानना चाहते हैं कि ईवीएम की बर्न मेमोरी आदि की जांच के बारे में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद चुनाव आयोग प्रमाणीकरण के लिए क्या प्रक्रिया अपनाता है। जस्टिस खन्ना ने कहा कि वह बहुत ज्यादा विस्तार में नहीं जाना चाहते। सिर्फ ये चाहते हैं कि कोई आकर प्रमाणीकरण कर दे। चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा कि कोर्ट को इन पर विचार नहीं करना चाहिए। चुनाव आयोग कोर्ट के आदेश के अनुरूप ही प्रमाणीकरण की प्रक्रिया अपनाता है। उन्होंने एडीआर की अर्जी पर कहा कि पहले भी ऐसी ही अर्जी दाखिल की गई थी, लेकिन वह वापस ले ली गई और अब नई दाखिल की है और पहले वाली का जिक्र भी नहीं किया, जबकि वकील वही हैं। न्यायाधीश दीपांकर दत्ता ने भी वापस ली गई अर्जी के आदेश का जिक्र न किए जाने पर सवाल उठाया। मनिंदर सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल, 2024 के आदेश में मतदान का डाटा मिटाने या रिलोड करने की कोई मंशा -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सिंगापुर के राष्ट्रपति से मुलाकात की, विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम से मुलाकात की और एशियाई देश के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने में राज्य की भूमिका पर चर्चा की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक पोस्ट में कहा कि सिंगापुर की दो दिवसीय यात्रा पर आए शर्मा ने षणमुगरत्नम से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों, विशेष रूप से आगामी एडवांटेज असम 2.0 निवेश शिखर सम्मेलन पर चर्चा की। उन्होंने माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर कहा कि आज सिंगापुर के राष्ट्रपति महामहिम @Tharman_S से मिलना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात थी। हमारी चर्चा में चल रही सहयोगी परियोजनाओं पर चर्चा हुई, जिसमें भारत-सिंगापुर व्यापक रणनीतिक साझेदारी में एक प्रमुख स्तंभ के रूप में असम की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। शर्मा ने 2022 में षणमुगरत्नम की असम यात्रा को भी याद किया और सुखद यादें साझा कीं। उन्होंने कहा कि हम #एडवांटेजअसम2 में सिंगापुर की साझेदारी की सराहना करते हैं और सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा और उन्नत प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों में अपने सहयोग को मजबूत करने के लिए तत्पर हैं। बाद में, शर्मा ने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात की और चर्चा भारत -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर विस का सत्र नहीं बुलाए जाने पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (हि.स.)। मणिपुर विधानसभा का निर्धारित समयावधि के अंदर सत्र आयोजित नहीं जाने की कांग्रेस ने तीखी आलोचना की है। पार्टी ने इसे संवैधानिक प्रावधानों की अनदेखी करार दिया है। कांग्रेस महासचिव (संचार) एवं सांसद जयराम रमेश ने आज एक वक्तव्य में कहा कि मणिपुर विधानसभा के संवैधानिक रूप से अनिवार्य सत्र का आज आखिरी दिन है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 174 (1) के अनुसार विधानसभा सत्र की अंतिम बैठक और अगले विधानसभा सत्र की पहली बैठक के बीच 6 महीने से ज्यादा का अंतर नहीं हो सकता। -शेष पृष्ठ दो पर

एडवांटेज असम 2.0 से रोजगार के अवसर खुलेंगे : पेगु

गुवाहाटी। एडवांटेज असम 2.0 निवेश और अवसंरचना शिखर सम्मेलन 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं, असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु ने राज्य के औद्योगिक परिदृश्य और रोजगार क्षेत्र पर इस आयोजन के परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में आशा व्यक्त की है। शिखर सम्मेलन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. पेगु ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेगा झुमुर प्रदर्शन देखने के लिए 24 फरवरी को असम आएंगे, जिसके बाद अगले दिन शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र में उनकी भागीदारी होगी। डॉ. पेगू ने निवेशकों की ओर से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया पर जोर देते हुए कहा कि हमें शुरू में लगभग एक लाख निवेश प्रस्तावों की उम्मीद थी, लेकिन हमें पहले ही उस संख्या से -शेष पृष्ठ दो पर

संसद में छह नई भाषाओं में अनुवाद सेवा के विस्तार की घोषणा

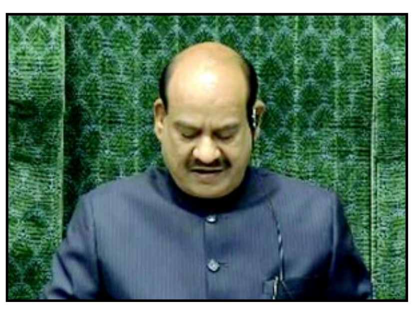

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज संसद में छह नई भाषाओं में अनुवाद सेवा के विस्तार की घोषणा की। इनमें बोडो, मैथिली, डोगरी, मणिपुरी, संस्कृत और उर्दू भाषाएं शामिल हैं। सदन को सम्बोधित करते हुए बिरला ने कहा कि हिंदी और अंग्रेजी के अलावा असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तमिल और तेलुगु में हम एकसाथ भाषांतरण उपलब्ध करा रहे थे। अब छह भाषाओं बोडो, डोगरी, मैथिली, मणिपुरी, संस्कृत और उर्दू को भी शामिल किया गया है। इसी के साथ अतिरिक्त 16 भाषाएं हैं, जैसे-जैसे मानव संसाधन मिल रहा है, प्रयास है कि हम साथ-साथ रूपांतरण कर सकें। दुनिया के अंदर भारतीय संसद है, जो इतनी भाषाओं के साथ भाषांतरण कर रही है। जब मैंने विश्व स्तर पर चर्चा की कि हम भारत में 22 भाषाओं में इस तरीके का प्रयास कर रहे हैं, तो अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सभी ने इसकी प्रशंसा की। -शेष पृष्ठ दो पर

एआई से करोड़ों लोगों की बदल सकती है जिंदगी : पीएम मोदी

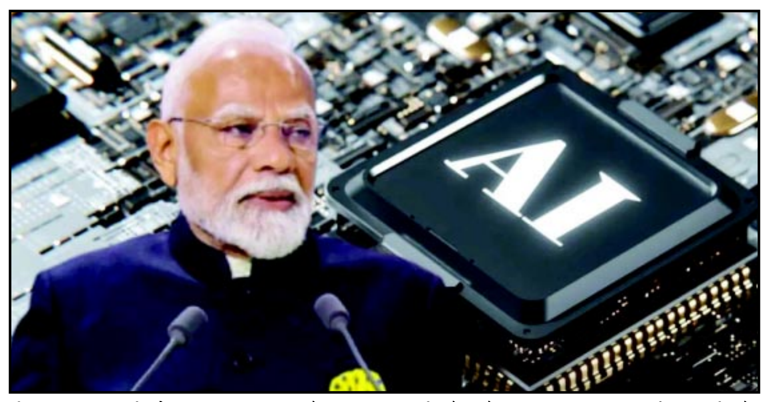

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने पेरिस के ग्रैंड पैलेस में एआई एक्शन समिट को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने और मुझे इसकी सह-अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित करने के लिए अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रोन का आभारी हूं। एआई पहले से ही हमारी अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और यहां तक कि हमारे समाज को नया रूप दे रहा है। एआई इस सदी में मानवता के लिए कोड लिख रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई से करोड़ों लोगों की बदल सकती है जिंदगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एआई अभूतपूर्व पैमाने और गति से विकसित हो रहा है और इसे और भी तेजी से अपनाया और लागू किया जा रहा है। सीमाओं के पार भी गहरी निर्भरता है। इसलिए, शासन और मानकों को स्थापित करने के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता है जो हमारे साझा मूल्यों को अपलोड करते हैं, जोखिमों को संबोधित करते हैं और विश्वास का निर्माण करते हैं। लेकिन शासन केवल दरार और प्रतिद्वंद्विता को प्रबंधित करने के बारे में नहीं है। यह नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक भलाई के लिए इसे लागू करने के बारे में भी है। इसलिए हमें नवाचार और शासन के बारे में गहराई से सोचना चाहिए और खुलकर चर्चा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं एक सरल प्रयोग से शुरुआत करता हूं। यदि आप अपनी मेडिकल रिपोर्ट एआई ऐप पर अपलोड करते हैं, तो यह सरल भाषा में, बिना किसी शब्दजाल के, आपके स्वास्थ्य के लिए इसका क्या मतलब है, समझा सकता है। लेकिन यदि आप उसी ऐप से किसी व्यक्ति का बाएं हाथ से लिखते हुए चित्र बनाने को कहते हैं, तो ऐप सबसे अधिक संभावना किसी व्यक्ति को उसके दाएं हाथ से लिखते हुए दिखाएगा। पेरिस में एआई एक्शन समिट को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि शासन -शेष पृष्ठ दो पर

महाकुम्भ : अंबानी की चार पीढ़ियों ने किया अमृत स्नान

महाकुम्भ नगर (हि.स.)। रिलायंस इंड्रस्टीज लिमिटेड के प्रमुख मुकेश अंबानी ने अपनी मां, बेटों और पोते-पोतियों के साथ प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर त्रिवेणी संगम में मंगलवार को अमृत स्नान करते हुए पवित्र डुबकी लगाई। अंबानी के साथ उनकी मां कोकिलाबेन, बेटे आकाश और अनंत, बहुएं श्लोका और राधिका, पोते पृथ्वी और वेदा और बहनें दीप्ति सालगांवकर और नीना कोठारी ने एक साथ डुबकी लगाई। उनके साथ -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी सरकार आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर बनाने के लिए प्रतिबद्ध : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा के लिए मंगलवार को नई दिल्ली में उच्च स्तरीय बैठकों की अध्यक्षता की। ये बैठकें 4 और 5 फरवरी को भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठकों की कड़ी में आयोजित की गईं। केंद्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठकों में शामिल हुए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आतंक मुक्त जम्मू-कश्मीर के लक्ष्य -शेष पृष्ठ दो पर

भारत शिक्षा, शोध, स्वास्थ्य सेवा और यूनानी पद्धति में औषधियों के निर्माण में दुनिया में अग्रणी : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि आज भारत शिक्षा, शोध, स्वास्थ्य सेवा और यूनानी पद्धति में औषधियों के निर्माण के मामले में दुनिया में अग्रणी है। आज यूनान तथा मध्य एशिया के देशों में यूनानी चिकित्सा पद्धति का उतना उपयोग नहीं होता है जितना भारत में होता है। राष्ट्रपति मुर्मु यूनानी दिवस पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एकीकृत स्वास्थ्य समाधान के लिए यूनानी चिकित्सा में नवाचार- एक नई दिशा विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्‌घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि यह हकीम अजमल खां को याद करने का अवसर है। यूनानी चिकित्सा पद्धति में उनके असाधारण योगदान के सम्मान में 2016 से इस दिन को यूनानी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हकीम -शेष पृष्ठ दो पर

ग्वाटेमाला में भीषण सड़क हादसा

यात्रियों से भरी बस खाई में गिरी, 55 लोगों की मौत

ग्वाटेमाला। सेंट्रल अमेरिकी देश ग्वाटेमाला में एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। इस हादसे के बाद पूरे देश में शोक की लहर है। बीते दिन ग्वाटेमाला की राजधानी के बाहरी इलाके में एक बस के पुल से नीचे गिर गई। इस हादसे के चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद हर तरफ मृतकों और घायलों के शव पड़े हुए थे। अब तक इस हादसे में 55 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके साथ ही कई लोग घायल भी हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि ये हादसा मल्टी-व्हीकल कॉलिजन के कारण हुआ है, यानी कि कई -शेष पृष्ठ दो पर

महाकुंभ में महाचमत्कार, 15 साल बाद लौटी याददाश्त, परिवार में खुशी की लहर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ ने एक परिवार को 15 साल बाद मिलवा दिया, जिनका मुखिया अचानक लापता हो गया था। यह कहानी है प्रकाश महतो की, जो झारखंड के कोडरमा जिले के रहने वाले हैं। 15 वर्षों बाद महाकुंभ का नाम सुनते ही उनकी याददाश्त वापस लौटी और वह अपने परिवार से जुड़ पाए। इस चमत्कारी मिलन ने परिवार के सभी सदस्य को भावुक कर दिया और खुशी के आंसू छलक पड़े। सभी लोग मान रहे है कि महाकुंभ में यह किसी महाचमत्कार से कम नहीं है। प्रकाश महतो, जो पश्चिम बंगाल के कोलकाता नगर निगम में काम करते थे, 9 मई 2010 को अचानक लापता हो गए थे। उस दिन वह अपने ड्यूटी पर जा रहे थे, लेकिन किसी कारणवश घर लौटने का रास्ता भूल गए थे। परिवार और पुलिस ने उन्हें ढूंढ़ने के लिए बहुत प्रयास किए, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। प्रकाश की मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं थी, जिससे उनका अपने घर का रास्ता भूल जाना और घर वापस लौटने में असमर्थ हो -शेष पृष्ठ दो पर

अंबानी-अडानी फेल!

महाकुंभ में मोबाइल चार्ज करके एक घंटे में हजार रुपए कमा रहा शख्स

नई दिल्ली। महाकुंभ में इस बार कुछ अनोखे बिजनेस आइडिया देखने को मिल रहे हैं। जहां पहले लोग दातुन बेचकर, तिलक लगाकर या संगम में चुंबक डालकर पैसे कमा रहे थे, वहीं अब एक शख्स मोबाइल चार्ज करके पैसे कमा रहा है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दिखाया गया है कि महाकुंभ में एक व्यक्ति बिजली के बोर्ड के पास बैठकर श्रद्धालुओं के मोबाइल फोन चार्ज कर रहा है। यह शख्स एक घंटे तक मोबाइल चार्ज करने के बदले 50 रुपए लेता है। वीडियो में दावा किया गया है कि वह एक साथ 20-25 फोन चार्ज कर रहा है, -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

डॉलर के मुकाबले रुपया ही नहीं दुनियाभर की करेंसी भी गिरी : वित्त मंत्री

नई दिल्ली। लोकसभा में इन दिनों बजट सत्र चल रहा है। बीते कई दिनों से सभी सांसदों ने बजट पर अपनी-अपनी बाते कही और कई सवाल पूछे। इन्हीं सवालों का जवाब आज वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में दिया। इस दौरान उन्होंने डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमतों में लगातार हो रही गिरावट को लेकर कहा कि इसमें कई फैक्टर काम करते हैं। दुनियाभर के देशों की करेंसी गिरी है। उन्होंने आगे कहा कि इंडोनेशिया से लेकर जी-10 करेंसी, जापानी येन, ब्रिटिश पाउंड, यूरो तक की कीमतें डॉलर के मुकाबले गिरी हैं। वहीं, अपने संबोधन की शुरुआत में ही उन्होंने वैश्विक अनिश्चितताओं का जिक्र किया और कहा कि इस बजट को ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में तैयार किया गया है, जहां मध्य-पूर्व से लेकर यूक्रेन युद्ध तक के संकट चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बजट का उद्देश्य भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के साथ-साथ समावेशी विकास की दिशा में ठोस कदम उठाना है। इस बजट में विशेष रूप से अन्नदाता, गरीब, नारी और युवा को प्राथमिकता दी गई है। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने विकास के लिए कुछ आवश्यक कदम उठाए हैं, ताकि भारत वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति को और मजबूत बना सके। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकारों को आवंटित की गई राशि पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि 25.01 लाख करोड़ रुपए राज्यों के लिए आवंटित किए गए हैं, जो पिछले साल की तुलना में अधिक है। इनमें केंद्र की योजनाओं के साथ ही वित्त आयोग की निधि भी शामिल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस राशि में किसी भी महत्वपूर्ण कैपिटल एक्सपेंडिचर में कोई कमी नहीं की गई है और पिछले कुछ सालों में इसमें लगातार बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने राज्यों को 50 साल तक ब्याज मुक्त कर्ज देने के सरकार के फैसले के बारे में भी बताया, जो राज्य सरकारों को जरूरी वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसके अलावा, वित्त मंत्री ने 2008-09 की आर्थिक मंदी और कोविड-19 महामारी के बाद भारत की अर्थव्यवस्था की पुनर्निर्माण की प्रक्रिया का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इन दोनों वैश्विक संकटों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यों को संबोधित करते हुए कहा कि कई योजनाओं के तहत करोड़ों

हरियाणा में निकाय चुनाव बैलेट पेपर से कराने संबंधी कांग्रेस की मांग खारिज

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग ने निकाय के चुनाव बैलेट पेपर से करवाए जाने को लेकर कांग्रेस की मांग को खारिज कर दिया है। आयोग ने साफ कर दिया कि राज्य में निकाय चुनाव ईवीएम के माध्यम से ही कराए जाएंगे। मंगलवार को निर्वाचन आयोग ने हरियाणा कांग्रेस को इस संबंध में अपना जवाब भेज दिया है। इसके बाद यह साफ हो गया है कि हरियाणा में निकट भविष्य में होने वाले निकाय चुनाव ईवीएम के माध्यम से ही करवाए जाएंगे। दरअसल, सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं का शिष्टमंडल राज्य निर्वाचन आयोग से मिला और ईवीएम की बजाए बैलेट पेपर से चुनाव करवाने की मांग की थी। इस पर राज्य निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस की इस मांग को खारिज करते हुए विस्तृत जवाब पार्टी को भेज दिया है। निर्वाचन आयोग ने अपने जवाब में ईवीएम के फायदे गिनवाते हुए इससे होने वाले चुनाव में पारदर्शिता का हवाला दिया है। इस जवाब में कांग्रेस की मांग को अव्यावहारिक बताया गया है। प्रदेश में चुनाव आचार संहिता लागू हो चुकी है। चुनावों को लेकर नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। ऐसे समय में इस तरह की मांग पूरी तरह से आधारहीन व अव्यावहारिक है।

सिब्बल ने की कांग्रेस की वकालत

इंडी गठबंधन से चुनावी रणनीति पर चर्चा करने का आग्रह किया

नई दिल्ली (हि.स.)। हाल के विधानसभा चुनावों में इंडी गठबंधन (आईएनडीआईए) की हुई छीछालेदर से चिंतित वरिष्ठ अधिवक्ता और राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने आज यहां कहा कि इंडी गठबंधन के नेताओं को एक साथ बैठकर मुद्दों को सुलझाने के लिए सावधानीपूर्वक काम करना होगा। आज यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में सिब्बल ने आगामी चुनावों के लिए अपनी रणनीति पर चर्चा करने के लिए इंडी गठबंधन के दलों के एक साथ आने पर जोर दिया, ताकि आपसी गलतफहमियों को दूर किया जा सके। कांग्रेस की चर्चा करते हुए सिब्बल ने कहा कि यह पार्टी हमेशा एक साथ काम करने और सहमति से आगे बढ़ने की कोशिश करती है। हालांकि, उन्होंने 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों का उदाहरण देते हुए कहा कि कई बार गठबंधन के कारण समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है। मसलन, उस समय बिहार में कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन ने *महागठबंधन* को बहुमत तक पहुंचने से रोक दिया था। सिब्बल ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा आम सहमति की मांग की है और सभी को साथ लाने का लक्ष्य रखा है। इंडी गठबंधन के कुछ सदस्यों, विशेष रूप से आम आदमी पार्टी (आआपा) की ओर से अपनाई गई रणनीति पर चिंता जताते हुए सिब्बल ने कहा कि आआपा ने हरियाणा, गोवा और गुजरात जैसे राज्यों में कांग्रेस के खिलाफ उम्मीदवार खड़े किए थे। उन्होंने सुझाव दिया कि जब अरविंद केजरीवाल ने ऐसे फैसले किए थे, उसी समय सवाल उठाए जाने चाहिए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आमतौर पर आगे बढ़ने के लिए सभी को एकसाथ लाने का प्रयास करती है लेकिन कभी-कभी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। बिहार की मिसाल देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस वहां उम्मीदों के अनुसार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। नतीजा यह हुआ कि महागठबंधन सरकार नहीं बना पाई। उसके बाद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इसके लिए कांग्रेस को दोषी ठहराया। सिब्बल ने कहा कि कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और तमिलनाडु में डीएमके जैसी पार्टियों के साथ गठबंधन में सफलता मिली है।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने यूट्यूबर रणवीर इलाहबादिया को भेजा समन

नई दिल्ली (हि.स.)। यूट्यूबर्स के शो इंडियाज गॉट लेटेंट पर रणवीर इलाहबादिया एवं अन्य यूट्यूबर्स द्वारा की गई टिप्पणी पर अब राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने उन्हें समन भेजा है। आयोग ने उनके और उनके साथियों द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे अपमानजनक और नस्लवादी टिप्पणी बताया है। मंगलवार को भेजे गए समन में राष्ट्रीय महिला आयोग ने यूट्यूबर रणवीर इलाहबादी द्वारा किए गए अपमानजनक और नस्लवादी टिप्पणियों पर कड़ी चिंता व्यक्त करते हुए उन्हें 17 फरवरी को दोपहर 12 बजे नई दिल्ली स्थित मुख्यालय तलब किया है। आयोग ने कहा कि यूट्यूबर्स के शो इंडियाज गॉट लेटेंट पर रणवीर जैसे कंटेंट क्रिएटर्स द्वारा की गई अभद्र और आपत्तिजनक, व्यापक जन आक्रोश फैलाने वाली ये टिप्पणियां गरिमा का उल्लंघन करती हैं। एनसीडबल्यू की तरफ से बताया गया कि यूट्यूबरों द्वारा परोसे जा रहे अभद्र कॉन्टेंट चिंता का विषय है। इसलिए इस संबंध में संज्ञान लेते हुए आयोग ने रणवीर इलाहबादिया, समय रैना, अपूर्व मखीजा, जसप्रीत सिंह और आशीष चंचलानी, साथ ही शो के निर्माता, तुषार पुजारी और सौरभ बोथरा को इस बारे में उनका पक्ष रखने के लिए समन भेजा है। कॉन्टेंट क्रियेटर को प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान देना चाहिए। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर विवादास्पद टिप्पणी मामले में सुनवाई करेंगी। 17 फरवरी को दोपहर 12 बजे इंडियाज गॉट लेटेंट के निर्माताओं, रणवीर इलाहबादिया, समय रैना, अपूर्वा मखीजा, जसप्रीत सिंह, आशीष चंचलानी, तुषार पुजारी और सौरभ बोथरा को आयोग के सामने उपस्थित होने के लिए समन भेजा है।

কৃষক ৰাইজৰ জ্ঞাতাৰ্থে

ইয়াৰ দ্বাৰা নগাঁও জিলাৰ জনোৱা হয় যে, অসম চৰকাৰৰ কৃষি বিভাগে তলত উল্লেখ কৰা আঁচনিৰ অধীনত কৃষি যন্ত্ৰপাতি সুবিধাসমূহ ৰেহাই মূল্যত কৃষকক দিয়াৰ ব্যৱস্থা কৰিছে।

আঁচনিৰ নাম ঃ কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰৰ ধৰিত্ৰী আৱাস জনজাতীয় গ্ৰাম্য উৎকৰ্ষ অভিযান

ক্ৰমিক নং	যন্ত্ৰপাতিৰ নাম	আৱন্টিত সংখ্যা	ৰেহাই পৰিমাণ / হাৰ
১	পাৱাৰ টিলাৰ (Power Tiller) (Above 11 BHP)	৫	৯০ শতাংশ
২	পাৱাৰ উইডাৰ (Power Weeder) (engine operated 5 BHP & below 7.5 BHP)	৬৯	৯০ শতাংশ
৩	যন্ত্ৰচালিত ধান মাৰা মৰা যন্ত্ৰ (Power thresher) (operated by engine/ electric motor above SHP)	৫	৯০ শতাংশ

চৰ্ত আৰু প্ৰসংগ সমূহ-,

১। হিতাধিকাৰী সমূহ অসম চৰকাৰৰ জনজাতীয় পৰিক্ৰমা বিভাগৰ অধিনত Forest Right Act (FRA)-ত মাটি আবন্টন পোৱা জনজাতীয় লোক হব লাগিব।

আবেদনৰ জমা দিয়াৰ অন্তিম তাৰিখ - ১৮/০২/২০২৫

বিশদ তথ্য জানিবৰ বাবে স্থানীয় কৃষি উন্নয়ন বিষয়া বা তলত উল্লেখিত কাৰ্য্যালয়ত যোগাযোগ কৰিবলৈ অনুৰোধ জনোৱা হল,

কাৰ্য্যবাহী অভিযন্তা (কৃষি)	সহকাৰী কাৰ্য্যবাহী অভিযন্তা(কৃষি)	সহকাৰী কাৰ্য্যবাহী অভিযন্তা(কৃষি)
নগাঁও সংমণ্ডল, শেনচোৱা, নগাঁও	কলিয়াবৰ উপ সংমণ্ডল, কলিয়াবৰ, নগাঁও	ৰহা উপ সংমণ্ডল, ৰহা, নগাঁও
ফোন নং-৮৬৩৮৮১৯৯৩৪	ফোন নং-৯৮৬৪১২৭৭৬০	ফোন নং ঃ ৯৩৬৫২৯৯৩৮৪

স্বাক্ষৰ
কাৰ্য্যবাহী অভিযন্তা (কৃষি)
নগাঁও সংমণ্ডল, শেনচোৱা, নগাঁও

-- Janasanyog /D/12510/24/12-Feb-25

पृष्ठ एक का शेष

ईवीएम का डेटा ...

नहीं व्यक्त की गई थी। इस पर प्रधान न्यायाधीश खन्ना ने कहा कि वह सिर्फ इतना चाहते हैं कि चुनाव के बाद अगर कोई मांग करता है तो इंजीनियर आकर उसकी मौजूदगी में जांच करके प्रमाणीकृत कर दे कि बर्न्ट मेमोरी और माइक्रो चिप स्टॉक में कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। आप डाटा क्यों मिटाते हैं। हम कोई विस्तृत प्रक्रिया नहीं चाहते कि आप कुछ रिलोड करें। आपको न तो डाटा मिटाना है और न ही रिलोड करना है। आपको सिर्फ इतना करना है कि कोई इंजीनियर आए और जांच कर दे बस। डाटा मिटाने की बात तब उठी जब वकील देवदत्त कामथ ने कहा कि उनके मुवक्किल ने जांच के लिए 40,000 रुपये दिए। लेकिन, जांच डमी सिंबल और डाटा की हुई। मूल डाटा हटाया जा चुका था। वकील मनिंदर सिंह ने कहा कि कोर्ट नोटिस जारी न करे। वह संक्षिप्त हलफनामा दाखिल कर प्रक्रिया बताएंगे। यह भी कहा कि डाटा में किसी तरह का बदलाव या सुधार नहीं करेंगे। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले वर्ष ईवीएम को क्लीन चिट के फैसले में चुनाव होने के बाद कुछ दिन तक ईवीएम को सुरक्षित रखने और उम्मीदवार द्वारा मांग करने पर माइक्रोकंट्रोलर और बर्न मेमोरी की जांच कराने की बात कही थी।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ...

की एक्ट ईस्ट नीति के तहत विदेशी राष्ट्र के साथ असम के मौजूदा संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित रही। उन्होंने कहा कि हमने भारत की एक्ट ईस्ट नीति के समग्र ढांचे के तहत असम राज्य और सिंगापुर गणराज्य के बीच मौजूदा साझेदारी को और गहरा करने पर बात की। इससे पहले दिन में, मुख्यमंत्री ने सिंगापुर के सेमीकंडक्टर क्षेत्र के उद्योग के नेताओं के साथ मुलाकात की और संभावित सहयोग पर चर्चा की, जिसमें भारत-सिंगापुर संबंधों को मजबूत करने और जगीरोड में राज्य के आगामी इलेक्ट्रॉनिक सिटी के लिए साझेदारी में इस क्षेत्र के महत्व पर बल दिया गया। शर्मा ने कहा कि सिंगापुर में अपने दिन की शुरुआत सेमीकंडक्टर उद्योग के नेताओं के साथ एक सार्थक चर्चा से की। सेमीकंडक्टर भारत-सिंगापुर सहयोग का एक महत्वपूर्ण पहलू है और मैंने उन्हें असम के जगीरोड में बनने वाले इलेक्ट्रॉनिक सिटी में हमारे साथ साझेदारी में इस क्षेत्र के महत्व पर बल दिया गया। बैठक में एएसएमपीटी, एईएम, बेसी, टेमासेक, सिलिकॉन बॉक्स, निट्टो डेंको कॉर्प, हेलर इंडस्ट्रीज और मेनहार्ट ग्रुप के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सीएमओ ने आगे कहा कि शर्मा ने सिंगापुर सरकार के स्वामित्व वाली कंसल्टेंसी कंपनी सुरबाना जुरोंग के वरिष्ठ अधिकारी लो चेर एक से भी मुलाकात की और असम में चल रही परियोजनाओं पर चर्चा की। शर्मा ने कहा कि आज सिंगापुर में, मैंने श्री लो चेर एक और उनकी टीम के साथ असम में सुरबाना जुरोंग की मौजूदा परियोजनाओं की समीक्षा की। हम असम के भविष्य के शहरों और औद्योगिक पार्कों के निर्माण और हमारे लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए सिंगापुर की नगर नियोजन विशेषज्ञता का लाभ उठाना चाहते हैं। एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 25-26 फरवरी को गुवाहाटी में आयोजित किया जाएगा।

एडवांटेज असम 2.0 से ...

अधिक आशय पत्र प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह शिखर सम्मेलन असम की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा, जो सीमित औद्योगिकीकरण के कारण लंबे समय से सरकारी नौकरियों पर बहुत अधिक निर्भर है। उन्होंने जोर देकर कहा कि निवेश के प्रवाह से युवाओं के लिए व्यापक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। निवेशकों की बढ़ती रुचि और रणनीतिक सरकारी प्रयासों के साथ, एडवांटेज असम 2.0 नई आर्थिक संभावनाओं को खोलने और राज्य में टिकाऊ औद्योगिक विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए तैयार है।

मणिपुर विस का...

जयराम रमेश ने सवाल उठाते हुए कहा कि मणिपुर के राज्यपाल संवैधानिक रूप से अनिवार्य विधानसभा सत्र के लिए मणिपुर विधानसभा को न बुलाकर अनुच्छेद 174 (1) का उल्लंघन क्यों कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि सत्र को इसलिए रद्द कर दिया गया, क्योंकि भाजपा उस मुख्यमंत्री का उत्तराधिकारी नियुक्त नहीं कर सकी, जिसके खिलाफ कांग्रेस सोमवार को अविश्वास प्रस्ताव लाने वाली थी और जिसे रविवार रात को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। उल्लेखनीय है कि रविवार शाम को उत्पन्न सियासी घटनाक्रम के चलते मणिपुर के मुख्यमंत्री पद से एन बीरेन ने इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद उसी रात राज्यपाल ने सोमवार से आहूत सत्र का शेड्यूल रद्द कर दिया। इस बीच पता चला है कि राज्य के असंतुष्ट विधायकों और कार्यवाहक मुख्यमंत्री बीरेन को भी बुधवार को पार्टी आलाकमान ने नई दिल्ली में तलब किया है। इस बैठक में असंतुष्टों को मनाने और वहां पार्टी में व्याप्त असंतोष को खत्म करने का प्रयास किया जाएगा। अगर बीरेन के नाम पर आम सहमति नहीं बनेगी तो नए नाम पर भी इसी बैठक में फैसला किया जाएगा।

संसद में छह नई ...

हालांकि डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने लोकसभा अध्यक्ष की घोषणा पर आपत्ति जताते हुए पूछा कि संस्कृत में समकालिक अनुवाद पर जनता का पैसा क्यों बर्बाद किया जा रहा है, जबकि जनगणना के अनुसार संस्कृत भाषा केवल 70,000 लोगों द्वारा बोली जाती है। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें आड़े हाथों लेते हुए कहा कि यह भारत है, जिसकी मूल भाषा संस्कृत रही है। इसीलिए हमने सभी 22 भाषाओं का जिक्र किया है। बिरला ने मारन से पूछा कि आपको संस्कृत से परेशानी क्यों है?

एआई से करोड़ों ...

का मतलब सभी के लिए पहुंच सुनिश्चित करना भी है, खास तौर पर ग्लोबल साउथ में। यह वह जगह है जहां क्षमताओं की सबसे ज्यादा कमी है, चाहे वह शक्ति हो, प्रतिभा हो या वित्तीय संसाधनों के लिए डेटा। एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और बहुत कुछ बेहतर करके लाखों लोगों के जीवन को बदलने में मदद कर सकता है। यह एक ऐसी दुनिया बनाने में मदद कर सकता है जिसमें सतत विकास लक्ष्यों की यात्रा आसान और तेज हो जाए। ऐसा करने के लिए, हमें संसाधनों और प्रतिभाओं को एक साथ लाना होगा। हमें ओपन-सोर्स सिस्टम विकसित करना होगा जो विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ाए। हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त गुणवत्तापूर्ण डेटा सेट बनाना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने 1.4 बिलियन से अधिक लोगों के लिए बहुत कम लागत पर सफलतापूर्वक डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है। यह एक खुले और सुलभ नेटवर्क के इर्द-गिर्द बना है। इसमें हमारी अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने, शासन में सुधार करने और हमारे लोगों के जीवन को बदलने के लिए नियम और अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला है। आज, भारत एआई अपनाने और डेटा गोपनीयता पर तकनीकी-कानूनी समाधानों में अग्रणी है। हमारे पास दुनिया के सबसे बड़े एआई प्रतिभा पूल में से एक है।

महाकुम्भ : अंबानी की चार..

अंबानी की सास, पूनमबेन दलाल और भाभी, ममथाबेन दलाल भी थीं। अम्बानी की चार पीढ़ियां गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र जल के संगम पर आध्यात्मिक तीर्थयात्रा पर लाखों लोगों के साथ शामिल हुईं। निरंजनी अखाड़े के स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज ने गंगा पूजन किया। इसके बाद श्री अंबानी ने परमार्थ निकेतन आश्रम के स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज से मुलाकात की। आश्रम में अंबानी परिवार ने मिठाइयां और लाइफ जैकेट बांटे। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपनी *तीर्थ यात्री सेवा* के माध्यम से महाकुंभ तीर्थयात्रियों की सेवा कर रहा है, जो तीर्थयात्रियों की प्रगति को सुविधाजनक बनाने और उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए एक सर्वव्यापी पहल है क्योंकि वे जीवन में एक बार आत्म-खोज और दिव्य कृपा के अवसर के लिए प्रयागराज में एकत्र होते हैं। अपने *वी केयर* दर्शन से प्रेरित होकर, रिलायंस तीर्थयात्रियों को पौष्टिक भोजन (अन्न सेवा) और व्यापक स्वास्थ्य देखभाल से लेकर सुरक्षित परिवहन और बढ़ी हुई कनेक्टिविटी तक सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान कर रहा है। कंपनी के अन्य सुविधाजनक उपायों में पवित्र जल पर सुरक्षा, आरामदायक विश्राम क्षेत्र, स्पष्ट नेविगेशन और अभिभावकों (प्रशासन, साथ ही पुलिस और जीवन रक्षक) का समर्थन करना शामिल है।

मोदी सरकार आतंकवाद ...

को हासिल करने के लिए अर्धसैनिक बलों की भूमिका पर बल दिया। गृह मंत्री ने बीएसएफ को कड़ी निगरानी, बॉर्डर ग्रिड को मजबूत करने और निगरानी तथा सीमा सुरक्षा के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से *जीरो घुसपैठ* सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अमित शाह ने सीआरपीएफ को भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ तालमेल जारी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने सीआरपीएफ की शीतकालीन कार्य योजना की समीक्षा की और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि एरिया डोमिनेशन में कोई कमी न रहे। उन्होंने जम्मू क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने और ऊंचाई वाले क्षेत्रों पर दबदबा बनाने का भी निर्देश दिया। गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में काम कर रहे खुफिया तंत्र के कार्यों की भी समीक्षा की और उन्हें गुणवत्तापूर्ण खुफिया जानकारी जुटाने के लिए कवरेज और पैठ बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने खुफिया जानकारी के लिए प्रौद्योगिकी के महत्व को दोहराया। शाह ने कहा कि आतंक-वित्तपोषण की निगरानी, नार्को-आतंकवादी मामलों पर कड़ी पकड़ और जम्मू-कश्मीर में पूरे आतंकी इकोसिस्टम को खत्म करना मोदी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में जीरो टेरर प्लान के लिए मजबूत कदम उठाए जा रहे हैं। गृह मंत्री ने राष्ट्र-विरोधी तत्वों द्वारा किए जा रहे नकारात्मक प्रचार का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित करने का भी निर्देश दिया ताकि लोगों के सामने सही तस्वीर पेश की जा सके। उन्होंने सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के लिए तालमेल के साथ काम जारी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने यह आश्वासन भी दिया कि इस प्रयास में सभी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

भारत शिक्षा, शोध, स्वास्थ्य ...

अजमल खां ने भारत में यूनानी चिकित्सा पद्धति का प्रचार-प्रसार किया। उन्होंने नवाचार के कई उदाहरण प्रस्तुत किए। उनके प्रयासों के कारण ही भारत में यूनानी चिकित्सा पद्धति को व्यापक रूप से अपनाया गया। राष्ट्रपति ने कहा कि आज यूनान तथा मध्य एशिया के देशों में यूनानी चिकित्सा पद्धति का उतना उपयोग नहीं होता है जितना भारत में होता है। आज भारत शिक्षा, शोध, स्वास्थ्य सेवा और यूनानी पद्धति में औषधियों के निर्माण के मामले में दुनिया में अग्रणी है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि यूनानी पद्धति से जुड़े अनुसंधानकर्ता और चिकित्सक आधुनिक पद्धतियों और प्रौद्योगिकी के उपयोगी पहलुओं को अपना रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इस सम्मेलन में यूनानी चिकित्सा में साक्ष्य आधारित हालिया शोध प्रवृत्तियों और आयुष व पारंपरिक चिकित्सा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग: संभावनाएं और चुनौतियां जैसे समकालीन विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देश ने स्वास्थ्य के प्रति समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों को समुचित सम्मान देते हुए उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017 के अनुसार यूनानी सहित आयुष चिकित्सा प्रणालियों को मुख्यधारा में लाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। भारतीय चिकित्सा पद्धति के राष्ट्रीय आयोग के मार्गदर्शन में अनेक यूनानी चिकित्सा के शिक्षण संस्थानों में अध्ययन और शोध कार्य चल रहा है। यूनानी चिकित्सा महाविद्यालयों में एमडी और पीएचडी कार्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यूनानी चिकित्सा विज्ञान को आगे बढ़ाने वाली नई पीढ़ी ज्ञान और अनुभव की प्राचीन विरासत को मजबूत बनाएगी। कार्यक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह और आयुष मंत्रालय तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव भी उपस्थित थे।

यात्रियों से भरी...

वाहन एक साथ टकरा गए। जिसके कारण ये पूरा हादसा हुआ है। इस हादसे में बच्चे और बूढ़े भी शामिल थे। इस हादसे की तस्वीरें भी सामने आई हैं। जिसमें बस गंदे पानी में आधी डूबी हुई नजर आ रही है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो बस ड्राइवर ने बस पर नियंत्रण खो दिया था। जिसके कारण ही पहले बस कई वाहनों से टकराई और आखिर में खाई में जा गिरी। जिस खाई में बस गिरी उसकी गहराई लगभग 65 फीट है। देश के इन्फॉर्मेशन मंत्री मिगुएल एंजेल डियाज ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला कि बस 30 साल पुरानी थी, लेकिन उसके पास अभी भी संचालन का लाइसेंस था। अब तक 51 शवों को बरामद कर लिया गया है। मरने वालों में 36 पुरुष और 15 महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राहत बचाव का कार्य जारी है। कई टीमें जुटी हुई है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजधानी के पास हुए इस हादसे ने पूरे देश को परेशान कर दिया। कई बच्चे और बूढ़े ने अपनी जान गवाई है। घटना के बाद राष्ट्रपति बरनार्डो अरेवालो ने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। इसके साथ ही एक दिन का राष्ट्रीय शोक भी घोषित किया है। उन्होंने कहा कि घायलों को बेहतर मेडिकल सुविधा देने के लिए सरकार काम करेगी।

महाकुंभ में महाचमत्कार...

जाना स्वाभाविक हो गया था। प्रकाश महतो को पश्चिम बंगाल के रानीगंज में एक होटल मालिक, सुमित साव, ने अपने होटल में काम पर रखा था। होटल में काम करते समय सुमित साव उन्हें *पहलवान* नाम से पुकारते थे। एक दिन होटल में महाकुंभ के बारे में चर्चा हो रही थी, और अचानक प्रकाश महतो ने यह कह दिया कि वह कुंभ में जाना चाहते हैं, क्योंकि उनका घर भी उसी रास्ते पर है। यह सुनकर होटल मालिक सुमित साव को शक हुआ और उन्होंने प्रकाश से उनके घर और परिवार के बारे में और जानकारी ली। सुमित ने इंटरनेट का इस्तेमाल करते हुए कोडरमा पुलिस से संपर्क किया। कोडरमा पुलिस ने प्रकाश की पहचान की पुष्टि की, और इसके बाद उन्होंने मरकच्चो थाना को सूचित किया। जैसे ही यह सूचना प्रकाश के परिवार को मिली, वह खुशी के साथ रानीगंज पहुंचे। अपने पति और पिता को सामने देखकर उनकी पत्नी गीता देवी और बच्चों के आंखों में खुशी के आंसू थे। गीता देवी ने सालों तक अपने बच्चों की परवरिश मजदूरी करके की थी, क्योंकि उन्हें यह उम्मीद नहीं थी कि प्रकाश कभी वापस लौटेंगे। परिवार ने तो यह तक सोच लिया था कि प्रकाश अब मृत हो चुके हैं और उन्होंने उनकी मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आवेदन भी कर दिया था। प्रकाश महतो के परिवार के लिए यह एक चमत्कारी पल था। जिन बच्चों ने अपने पिता को केवल तस्वीरों में देखा था, आज उन्हें अपने पिता को गले लगाकर रोने का मौका मिला। प्रकाश के चचेरे भाई कार्तिक वर्मा, जो पेशे से शिक्षक हैं, ने कहा कि यह वाकई किसी चमत्कार से कम नहीं है। प्रकाश होटल के परिवार का भी हिस्सा बन चुके थे, और होटल मालिक और उनके परिवार के सदस्य भी इस मिलन से बहुत भावुक हो गए थे। अब यह परिवार महाकुंभ में गंगा स्नान करने जाने का मन बना रहा है, और यह एक अद्भुत पल होगा जब एक बिछड़ा व्यक्ति अपने परिवार से फिर से जुड़ा। महाकुंभ अब केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि मिलन और चमत्कारों का प्रतीक बन चुका है।

महाकुंभ में मोबाइल ...

जिससे उसे एक घंटे में 1000 रुपए की कमाई हो रही है। अगर वह पूरे दिन भी इस काम को करता है, तो उसे आसानी से 5000 रुपए मिल सकते हैं। इस बिजनेस में कोई खास लागत भी नहीं है। वीडियो इंस्टाग्राम पर @malaram_yadav_alampur®v नाम के हैंडल से शेयर किया गया है, जिसमें दिखाया गया है कि शख्स के पास कई एक्सटेंशन बोर्ड हैं और फोन चार्ज हो रहे हैं। ऐसे में महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं को जहां एक ओर स्नान करने का अनुभव मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर उन्हें मोबाइल चार्ज करने में भी मदद मिल रही है। इससे पहले भी महाकुंभ में दातुन बेचकर चार दिन में 40,000 रुपए कमाने वाले एक शख्स का वीडियो वायरल हो चुका था।

रास में सत्ता पक्ष ...

कर गए। सभापति जगदीप धनखड़ ने विपक्ष के वॉकआउट को बाबा साहब का सीधा अपमान बताया। भाजपा सदस्य डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने संविधान की मूल प्रति पर इलस्ट्रेशन होने का उल्लेख करते हुए कहा कि जो प्रतियां छप रही हैं और प्रसारित हो रही हैं, उन पर ये इलस्ट्रेशन नहीं छप रहे हैं। उन्होंने मोहन जोदड़ो की सभ्यता से लेकर भगवान राम के अयोध्या लौटने, कुरुक्षेत्र में अर्जुन को उपदेश देते भगवान श्रीकृष्ण से लेकर भगवान बुद्ध तक की तस्वीरें छप रहे संविधान पर नहीं होने का मुद्दा उठाया। इस पर सभापति धनखड़ ने कहा कि भारत के संविधान, जो हस्ताक्षरित है, वही हमारा संविधान है। जिस प्रति पर संविधान के निर्माताओं ने दस्तखत किए हैं, उसका अभिन्न अंग है। 22 कृतियां जो भारत की सांस्कृतिक यात्रा के 5000 साल दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि संसद ने जो संशोधन किए हैं, उनके साथ जो संविधान है, वही वास्तविक संविधान है और उनके साथ ही संविधान को प्रसारित, प्रचारित किया जाना चाहिए। आजकल जो लोग संविधान की प्रतियां लेकर चल रहे हैं, उनमें वो 22 कृतियां दिखाई नहीं देती हैं। संविधान निर्माताओं की हस्ताक्षरित प्रति ही असली है। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि बाबा साहब के संविधान को ये अनावश्यक विवाद में लाना चाहते हैं। यह आंबेडकर को बदनाम करने की कोशिश है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

लोकसभा में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने तिब्बत में चीन के प्रस्तावित सबसे बड़े बांध पर चिंता जताई

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हिं)। जोरहाट के सांसद एवं लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के उपनेता गौरव गोगोई ने मंगलवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान तिब्बत में जलविद्युत उत्पादन के लिए यारलुंग त्सांगपो नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की चीन की योजना को लेकर गंभीर चिंता जताई। संसद में अपना वक्तव्य रखने के दौरान कांग्रेस संसदीय दल के उपनेता गौरव गोगोई ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, जल सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए इस परियोजना के गहन निः हितार्थों पर जोर दिया और सरकार से तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया। गोगोई ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उन्होंने पहले ही रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री दोनों के साथ ब्रह्मपुत्र के जल संसाधनों पर चीन के असंगत नियंत्रण के बारे में चिंता जताई है। उन्होंने चीन के जल आपूर्ति में संभावित रूप से हेरफेर करने के जोखिम को रेखांकित किया, जिससे भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में विनाशकारी बाढ़ या विनाशकारी सूखा पड़ सकता है। सांसद गोगोई ने संवेदनशील भू-राजनीतिक माहौल को देखते हुए भारत को किसी भी परिदृश्य के लिए पूरी तरह से तैयार रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सरकार से चीन के साथ महत्वपूर्ण जल विज्ञान संबंधी डेटा, विशेष रूप से बाढ़ के पूर्वानुमान और प्रबंधन के लिए साझा करने को सुनिश्चित करने वाले समझौते को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। सांसद ने केंद्र सरकार से भारत के हितों और क्षेत्रीय स्थिरता की रक्षा के लिए तेजी से कार्य करने का भी आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि दरंग-उदालगुड़ी के सांसद एवं भाजपा के असम प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने भी सोमवार को लोकसभा में इस मुद्दे को जोरशोर से उठाकर केंद्र सरकार से इस पर आवश्यक कदम उठाने की मांग की थी। आज कांग्रेस ने भी तिब्बत में बनने वाले बड़े बांध को लेकर चिंताई जताई है।

दिसपुर में श्रमिक कल्याण विभाग का नियुक्ति पत्र वितरित

गुवाहाटी (हिं)। असम सचिवालय के *बी ब्लॉक* में श्रमिक कल्याण विभाग के मंत्री के सभाकक्ष में आयोजित एक बैठक में तीन कारखाना निरीक्षक पद के उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। श्रमिक कल्याण, चाय जनजाति और आदिवासी कल्याण विभाग के मंत्री रूपेश ग्वाला ने उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कहा कि आपकी जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। हमारे विभाग का नाम ही श्रमिक कल्याण विभाग है। श्रम में लगे लोगों का कल्याण करना ही हमारा कर्तव्य है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि फैक्ट्रियों या कार्यस्थलों में काम करने वाले मजदूर कानूनी लाभों से वंचित न हों और कार्यस्थल पर किसी भी दुर्घटना का शिकार न हों। मंत्री ने नगांव के नवज्योति बरुवा, धेमाजी के आर्यन बरुवा और कामरूप (मेट्रो) के हिमाद्रि शेखर दास को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव बी. कल्याण चक्रवर्ती, श्रम सचिव अभिजीत बरुवा और श्रम आयुक्त अनामिका तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य में मुफ्त पाठ्यपुस्तक वितरण कार्य शुरू

गुवाहाटी (हिं)। असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रानोज पेगु ने असम राज्यिक पाठ्यपुस्तक प्रणयन एवं प्रकाशन निगम के अध्यक्ष देवानंद हजारिका के साथ 2025-26 शैक्षणिक वर्ष के लिए मुफ्त पाठ्यपुस्तक वितरण कार्य का मंगलवार को गुवाहाटी के नारंगी में शुभारंभ किया। मंत्री ने बताया कि असम सरकार की मुफ्त पाठ्यपुस्तक योजना के तहत कुल 19 भाषाओं और नौ माध्यमों में 3,41,78,581 पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित की गई हैं। इस पहल से कक्षा *क* से 12वीं तक के कुल 52,91,707 छात्र लाभान्वित होंगे। अगले दो दिनों में राज्य के शेष जिलों में भी मुफ्त पाठ्यपुस्तकें भेजी जाएंगी।

असम में राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में शामिल हुए शिक्षा मंत्री पेगू

गुवाहाटी (हिं)। असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने दिसपुर महाविद्यालय में सदौ असम खंड समल व्यक्ति फोरम द्वारा आयोजित *विश्वगुरु के रूप में भारत की स्थापना में एफएलएन की भूमिका-वैश्विक ज्ञान महाशक्ति* विषयक राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्राथमिक साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) को प्राथमिकता दी गई है, जिसे *निपुण असम* कार्यक्रम के तहत स्कूलों में लागू किया जा रहा है। उन्होंने इस तरह की संगोष्ठी के आयोजन के लिए फोरम की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान फोरम की ई-पत्रिका *अन्वेषण* का विमोचन और प्रसंजित शर्मा द्वारा निर्मित एक एफएलएन संबंधित ऐप भी लॉन्च किया गया। एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में डॉ. रनोज पेगू ने बताया कि समग्र शिक्षा असम के तहत प्रशासनिक अधिकारी प्रशिक्षण महाविद्यालय में आज आयोजित कार्यक्रम में राज्य के 6,464 दिव्यांग छात्रों के लिए 9,260 सहायक उपकरण वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग विद्यार्थियों को विशेष देखभाल की आवश्यकता है और समावेशी शिक्षा केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी है।

गौतम भुइयां के तबादले के विरोध में कर्मचारियों का असहयोग आंदोलन

गुवाहाटी (हिं)। असम सरकार की नीतियों के विरुद्ध जिला आयुक्त कार्यालय के कर्मचारी के अंतर जिला तबादले के विरोध में मंगलवार को राज्य के सभी जिला आयुक्त कार्यालयों, सभी सम-जिला आयुक्त कार्यालयों तथा सर्किल ऑफिसर कार्यालयों के कर्मचारियों ने असहयोग आंदोलन किया। इस आंदोलन का आयोजन सदौ असम जिला प्रशासन कर्मचारी संघ द्वारा किया गया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने माजुली जिला आयुक्त कार्यालय के कर्मचारी गौतम भुइयां का जोरहाट तबादला किए जाने को अन्यायपूर्ण कदम बताते हुए सरकार से तुरंत निर्णय को वापस लेने की मांग की।

रंगिया में हथकरघा एवं वस्त्र प्रदर्शनी का आयोजन

रंगिया (विभास)। भारत सरकार के वस्त्रशिल्प मंत्रालय के अधीन हस्तशिल्प विकास आयुक्त के तत्वावधान में और रनदिया प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा 11 फरवरी से 20 फरवरी 2025 तक हस्तशिल्प प्रदर्शनी और बिक्री मेला का आयोजन किया गया है। रंगिया के ऐतिहासिक कृषक शहीद भवन प्रांगण में आयोजित इस मेले में राज्य के विभिन्न हिस्सों से हस्तशिल्पी शामिल हुए है। प्रदर्शनी का शुभारंभ मंगलवार को किया गया जिसका उद्घाटन स्थानीय विधायक भवेश ने किया गया। इस मौके पर विधायक कलिता ने आशा व्यक्त की कि इस मेले के स्थानीय शिल्पी अपनी प्रतिभा और दक्षता का प्रदर्शन करने के साथ आर्थिक रूप से भी स्वावलंबी होने का मार्ग प्रशस्त होगा।

चिरांग में आपदा तैयारी पर मॉक ड्रिल कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

विकसित भारत समाचार

चिरांग। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के सहयोग से चिरांग जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा आयोजित घटना प्रतिक्रिया प्रणाली (आईआरएस) प्रशिक्षण और मॉक अभ्यास आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दिन की शुरुआत एक आकर्षक टेबल-टॉप अभ्यास से हुई, जिसमें प्रतिभागियों को चार समूहों में विभाजित किया गया और उन्हें एक नकली भूकंप आपदा स्थिति का जवाब देने का कार्य सौंपा गया। टेबल-टॉप अभ्यास के बाद, आईआरएस सिद्धांतों के अनुसार एक व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित की गई। यह अभ्यास जिला केंद्र (स्टेजिंग एरिया), जिला परिवहन कार्यालय (घटना स्थल और घटना कमांड पोस्ट) और जेएसबी सिविल अस्पताल सहित प्रमुख स्थानों पर आयोजित किया गया, जिससे आपदा प्रतिक्रिया का व्यापक और यथार्थवादी अनुकरण सुनिश्चित हुआ। यह मॉक ड्रिल राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं द्वारा आयोजित की गई थी। इस मॉक ड्रिल में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे विभिन्न आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों, स्थानीय प्राधिकारियों और अन्य हितधारकों के बीच महत्वपूर्ण सहयोग पर प्रकाश डाला गया।

रंगिया महाविद्यालय के वार्षिक समारोह में यादव पायेंग ने लिया भाग

रंगिया (विभास)। अरण्य मानव यादव पायेंग ने सोमवार को रंगिया महाविद्यालय के वार्षिक समारोह में भाग लिया। इस मौके पर प्रकृति संरक्षण पर जोर देते हुए उन्होंने छात्र- छात्राओं को पौधों और प्रकृति संरक्षण के बीच संबंधों के बारे में बताया। वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग के विनाशकारी परिणामों को देखते हुए पायेंग महाविद्यालय के अध्यापकों के साथ चर्चा में भी शामिल हुए। उन्होंने महाविद्यालय को हरा-भरा रखने के लिए महाविद्यालय द्वारा उठाए गए कदमों की भी सराहना की। रंगिया महाविद्यालय के वार्षिक खेल सप्ताह पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री यादव पायेंग ने भाग लिया।

खैराबाड़ी में 23वां बोड़ोलैंड समझौता दिवस आयोजित

उदालगुड़ी। उदालगुड़ी जिले के खैराबाड़ी में सोमवार को 23वां बोड़ोलैंड समझौता दिवस मनाया गया। इसका आयोजन बीपीएफ की भेड़गांव जिला समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान ध्वजारोहण, स्मृति तर्पण सहित खुली सभा आयोजित की गई। लौमश्राऊ दैमारी द्वारा संचालित इस खुली सभा में कई स्थानीय कलाकारों ने भाग लिया जिन्होंने गीत और समूह नृत्य प्रस्तुत किये। उद्घाटन समारोह में कलाईगांव के विधायक दुर्गादास बोड़ो, पूर्व विधायक कमली बसुमतारी, महेश्वर बोड़ो, पूर्व बीटीसी उपाध्यक्ष नेरसन बोड़ो, पूर्व ईएम जगदीश सरकार, लौमश्राऊ दैमारी, बंजार दैमारी और भेड़गांव जिला बीपीएफ अध्यक्ष खगेन चंद्र बोड़ो केंद्रीय प्रवक्ता कामाल आजाद सहित कई अन्य केंद्रीय स्तर के नेता उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि बीटीसी समझौता संविधान की 6वीं अनुसूची पर एसीएस अधिकारी नरेन चंद्र बसुमतारी, अधिवक्ता बिमल चंद्र मुसाहारी ने वक्तव्य प्रदान किया।

भक्तों के लिए खुले गौशाला में नवनिर्मित श्री राधाकृष्ण मंदिर के कपाट

पूर्णाहुति के साथ सात दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव धूमधाम से संपन्न

गुवाहाटी। अठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला परिसर आज भजनों एवं जयकारों से गुंजायमान हों गया, जब बहुप्रतीक्षित श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर के कपाट सोमवार को भक्तजनों के दर्शनार्थ खौले गए। अपार जनसमूह मनभावन युगल जोड़ी की पहली छटा के अवलोकनार्थ सुबह से ही गौशाला में श्रद्धालु एकत्रित होना शुरू हो गए। प्राण प्रतिष्ठा एवं महायज्ञ के आज सप्तम दिवस के मौके पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बनारस के विद्वानों ने पवित्र गौशाला को और ओजमयी बनाते हुए उपस्थित सभी श्रृद्धालुओं को भगवत आराधना एवं पुजन अर्चना से जोड़े रखा। स्व. सीताराम-द्रौपदी देवी भड़ेच की पुण्यस्मृति में श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर का निर्माण भड़ेच परिवार की और से कराया गया हैं। सात दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतिम दिन आज अनुष्ठान में यजमान उद्योगपति तथा समाजसेवी सुरेंद्र भड़ेच एवं प्रदीप भड़ेच सप्तनीक व परिजनों सहित विधिवत पुजा विधान को तपस्वी की भांति एकाग्र चित्त से संपादित करवाते हुए महायज्ञ में पुर्णाहुती देकर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव अनुष्ठान को विधिवत संपन्न करवाया। इसके पश्चात नवनिर्मित मंदिर में स्थापित श्री राधाकृष्ण के विग्रह का अलौकिक श्रृंगार किया गया तथा निश्चित समय दोपहर 12-15 बजे मंदिर के कपाट भक्तों के दर्शन हेतु खोले गए ओर सैकड़ो की संख्या में उपस्थित भक्त जनों ने भगवान श्री राधाकृष्ण के मनभावन दिव्य दर्शन पाकर भाव विभोर हो उठे। तत्पश्चात महाआरती में भक्त जनों ने अंश ग्रहण किया। इस दौरान भगवान को छप्पन भोग का प्रसाद लगाया गया। बड़ी तादाद में समाज के गणमान्य एवं प्रबुद्धजनों के साथ समाज के वरिष्ठ एवं विशिष्ट जनों ने दिव्य दर्शन एवं अलौकिक श्रृंगार का आंनद उठाया। श्री गौहाटी गौशाला ट्रस्ट की और से ट्रस्टी चैयरमेन कैलाश लोहिया तथा ट्रस्टी इनचार्ज डॉ. अशोक धानुका ने भड़ेच परिवार द्वारा बहुप्रतीक्षित मंदिर के निर्माण में रचनात्मक योगदान की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए इसे अनुपम एवं अनुकरणीय बताते हुए उनका गौशाला परिवार की ओर से प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर सुरेंद्र भड़ेच एवं प्रदीप भड़ेच ने अपने भावपूर्ण वक्तव्य में श्री गौहाटी गौशाला ट्रस्ट का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि उन्होंने हमारे परिवार को इस शुभ कार्य के प्रति निमित बनाया तथा भगवान श्री राधाकृष्ण की जुगल जोड़ी नित्य प्रति दर्शन करने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने ट्रस्टी इनचार्ज डॉ. अशोक धानुका का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम तो मात्र निमित्त थे, परंतु इस दिव्य मंदिर के शुरूआत से संपादित करवाने में यदि किसी ने महती भूमिका निभाई है तो वो श्रैय इनको जाता है। श्री धानुका ने इसे सहज भाव के साथ इसे भड़ेच परिवार पर प्रभु की असिम अनुकम्पा बताया। श्री राधाकृष्ण के मनभावन विग्रह के निर्माण कर्ता अंतर्राष्ट्रीय शिल्पकार तथा राजस्थान के जयपुर निवासी चन्द्रेंश पांडे विशेष आमंत्रण पर गुवाहाटी पधारे। उनका श्री गौहाटी गौशाला ट्रस्ट की और से दिव्य मूर्ती बनाने के लिए प्रशस्ति-पत्र देकर अभिनंदन किया गया। देर शाम तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ गौशाला आने का तांता लगा हुआ था, जिनके बीच प्रसाद का वितरण किया गया। श्री गौहाटी गौशाला ट्रस्ट चैयरमेन कैलाश लोहिया ने सभी पूर्वोत्तर वासी श्रृद्धालुओं को आठगांव गौशाला परिसर में पधारने एवं श्रृंखला वृद्ध बने पांच मंदिरों में श्री गणेश मंदिर, प्राचीन श्री हनुमान मंदिर, श्री महादेव मंदिर, श्री राधाकृष्ण मंदिर तथा श्री शिव परिवार मंदिर के दर्शन लाभ तथा गौ माता की सेवा करने हेतु आमंत्रण किया तथा गौहाटी वासियों को नित्य दर्शानार्थ गौशाला परिजनों सहित आने का आग्रह किया। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को सफल बनाने में श्री गौहाटी गौशाला ट्रस्ट बोर्ड एवं कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा, जिसके लिए भड़ेच परिवार की ओर से सभी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया गया है।

संपादकीय

प्रतिस्पर्धा नहीं बालमन को चाहिए मोटिवेशन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर परीक्षाओं से पहले देश के परीक्षार्थी बच्चों, अध्यापकों और अभिभावकों से मन की बात के माध्यम से संवाद कायम कर मोटिवेट करने की बड़ी पहल की है। मन की बात में परीक्षा पर चर्चा के आठवें संस्करण का महत्व इसलिए महत्वपूर्ण और सामयिक हो जाता है कि आने वाले दिनों में सीबीएसई और राज्यों के बोर्डों की परीक्षाएं होने जा रही है। प्रधानमंत्री की संपूर्ण परीक्षा व्यवस्था और इसके साइड इफेक्ट को समझते हुए संवाद कायम करना अपने आप में महत्व रखता है। देश के लगभग सभी कोनों से तनाव, शिक्षकों और अभिभावकों की अति महत्वाकांक्षा के चलते बच्चों द्वारा डिप्रेशन में जाने और अपनी जीवनलीला समाप्त करने के समाचार आम होते जा रहे हैं। कोचिंग हब कोटा बच्चों की आत्महत्या के लिए बदनाम है पर कोटा से अधिक आत्महत्या देश के अन्य हिस्सों में भी हो रही है। कोटा को आत्महत्याओं के दाग को धोने के लिए सार्थक प्रयास करने होंगे। खैर, प्रधानमंत्री मोदी ने जिम्मेदार अभिभावक की भूमिका निभाते हुये ना केवल परीक्षार्थियों की हौसला अफजाई की है अपितु अध्यापकों को भी स्पष्ट संदेश दिया है। इसमें दो राय नहीं होनी चाहिए कि बच्चों के कोमल मन को प्रतिस्पर्धा के बोझ तले दबाने में आज घर, परिवार, समाज, शिक्षा केन्द्र और सोशल मीडिया प्रमुखता से नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। पता नहीं शिक्षा व्यवस्था में भी यह किस तरह का बदलाव है कि कुछ दशक पहले तक दसवीं पास करना बड़ी बात माना जाता था तो परीक्षा देने वाले लाखों बच्चों में से फर्स्ट डिविजन कुछ हजार तक रहते थे, उसके बाद लगभग दोगुने द्वितीय श्रेणी व बाकी तीसरी श्रेणी पाकर संतोष कर लेते थे। आज हालात यह है कि परीक्षा देने वाले अधिकांश बच्चों के मार्क्स तो 90 प्रतिशत या इससे अधिक ही होते हैं। यहां सवाल परीक्षा प्रणाली को लेकर हो जाता है तो दूसरी और प्रतिस्पर्धा की यह खिचड़ी 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों और खासतौर से उनके पैरेंटस में होने लगी है। अब तो हो यह गया है कि पैरेंट्स की प्रतिष्ठा के लिए बच्चों की बलि चढ़ाई जाने लगी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सही कहा है कि कूकर के प्रेशर की तरह बच्चों को प्रेशर में रखना ही अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका में आ गया है। अब अभिभावक दिशा देने वाले के स्थान पर अपनी कुंठा को बच्चों से पूरा कराने में जुटे हैं। यह वास्तविकता है। बच्चे की लगन किसी और दिशा में होती है और उससे अपेक्षा कुछ और करने या बनाने की होने लगती है। कुछ बच्चों का कोमल मन यह प्रेशर सहन नहीं कर पाता है और डिप्रेशन या मौत को गले लगा लेते हैं और फिर पैरेंट्स आंसू पूछते रह जाते हैं। परीक्षा पर चर्चा की अच्छी बात यह है कि देश के 3.30 करोड़ बच्चों, 20 लाख शिक्षकों और साढ़े पांच लाख से अधिक अभिभावक इससे जुड़े। मोदी जी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए क्रिकेट का उदाहरण देते हुए बैटिंग करने वाले खिलाड़ी की भूमिका निभाने का संदेश दिया तो टाइम मैनेजमेंट पर फोकस करने, लिखने की आदत डालने, खुल कर अपनी बात कहने, मन को शांत रखने, केवल किताबी कीड़ा नहीं बनने, रोबोट नहीं इंसान बनने और पूरी नींद लेने के लिए मोटिवेट किया। सबसे खास बात यह कि बच्चों को स्वयं से प्रतिस्पर्धा करने का संदेश दिया। हमें दूसरे के स्थान पर स्वयं से प्रतिस्पर्धा करनी है। स्वयं से प्रतिस्पर्धा करेंगे तो आत्मविश्वास बढ़ेगा। दरअसल होता यह है कि दूसरे से प्रतिस्पर्धा के चक्कर में नकारात्मकता अधिक आती है। होना यह चाहिए कि अपनी कमियों को ही सबक बनाकर बहुत कुछ सीखा जा सकता है। आज बच्चों को खुला आसमान चाहिए। जहां वह अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मोदीजी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए कहा है कि विफलताओं से निराश न होकर उससे सबक लेना चाहिए। जीवन में सफल होने के लिए बहुत कुछ होता है। मोदीजी ने मन की बात में बच्चों, परिजनों और टीचर्स तीनों को संदेश देने का प्रयास किया है। होता यह है कि जो बच्चे होशियार होते हैं या प्रभावशाली परिवार के हैं, उनपर टीचर्स का विशेष ध्यान होता है और जो बच्चे कमजोर होते उनके मामले में पीटी मीटिंग के माध्यम से पैरेंट्स को नीचा दिखा कर इतिश्री कर लेते हैं। बच्चों की नाकामी पर कभी किसी स्कूल या टीचर ने जिम्मेदारी ली हो, यह आज तो लगभग असंभव है। चाहे आप पढ़ाई के नाम पर स्कूल को कितनी ही फीस देते हो आप पर बच्चे को ट्यूशन कराने का दबाव आ ही जाता है। यदि शिक्षण संस्थानों में कमजोर और औसत बच्चों पर अधिक ध्यान दिया जाए तो तस्वीर बदल भी सकती है। इसी तरह से पैरेंट्स को भी नसीहत देने में मोदी जी पीछे नहीं रहे। पैरेंट्स को बच्चों की लगन, रुचि को समझना होगा। अपनी अपेक्षाएं उस पर लादने के स्थान पर दिशा देने के प्रयास करने होंगे। बच्चों के साथ बैठकर खुलकर बात करें। उनकी इच्छा, लगन और कोई परेशानी है तो उसे समझने का प्रयास करें। बच्चों में परस्पर तुलना कर बालक मन को कुंठित नहीं करना चाहिए। बच्चों को निराश करने के स्थान पर मोटिवेट करने के समग्र प्रयास की आवश्यकता है। बच्चों को मशीन नहीं बनाया जाना चाहिए। बच्चों को समझाया यह जाना चाहिए कि 24 घंटे का समय सभी के पास होता है, इस समय को किस प्रकार से उपयोग करना है इस पर फोकस हो तो निश्चित रूप से अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। कहने का अर्थ यह है कि बच्चों का मनोबल बढ़ाने उनमें सकारात्मकता विकसित करने की दिशा में हमें काम करना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परीक्षाओं से पहले अपने प्रधानमंत्री काल में 8 वीं बार परीक्षा पर चर्चा करते हुए बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को संदेश देने का सार्थक प्रयास किया है। अब सबका दायित्व है कि इन सकारात्मक पक्षों को बच्चों तक पहुंचाया जाए। बच्चों को समझाना होगा कि बड़ी बात जीवन में सफल होना है।

आखिर दिल्ली में क्यों ढहा 'आप' का किला?

योगेश कुमार गोयल

2015 में आम आदमी पार्टी ने 67 सीटें जीती थी, लेकिन 2020 में यह संख्या घटकर 62 रह गई थी। वहीं, भाजपा ने 2015 में मात्र 3 सीटें जीती थी, जबकि 2020 में 8 सीटें जीतने में सफल हुई थी और बंपर जीत के साथ पूरे 27 सालों बाद अब दिल्ली में सरकार बनाने में सफल हुई है।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी का किला बुरी तरह ढह गया। आतिशी को छोड़कर पार्टी के लगभग तमाम दिग्गज नेता चुनाव हार गए और आप ने इस बार दिल्ली विधानसभा चुनावों में अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया। 2015 में आम आदमी पार्टी ने 67 सीटें जीती थी लेकिन 2020 में यह संख्या घटकर 62 रह गई थी। वहीं, भाजपा ने 2015 में मात्र 3 सीटें जीती थी जबकि 2020 में 8 सीटें जीतने में सफल हुई थी और बंपर जीत के साथ पूरे 27 सालों बाद अब दिल्ली में सरकार बनाने में सफल हुई। 27 साल पहले भाजपा की सुषमा स्वराज आखिरी बार कुल 52 दिन के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थी और अब 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सत्ता में बड़ी वापसी हुई है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी पर घोटाले के गंभीर आरोप लगे थे और यह विधानसभा चुनाव इस बार आम आदमी पार्टी के लिए नाक का बहुत बड़ा सवाल था लेकिन भाजपा ने आम आदमी पार्टी को दिल्ली में जीत का चौका लगाने से रोक दिया। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि आखिर आम आदमी पार्टी की इतनी बड़ी हार के पीछे क्या प्रमुख कारण रहे और क्यों पार्टी की राजनीतिक स्थिति इतनी कमजोर हुई?

दिल्ली में आप सरकार ने करीब एक दशक तक शासन किया और लंबे समय तक सत्ता में रहने के कारण जनता के बीच असंतोष और बदलाव की इच्छा बढ़ी थी। विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों की कमी, बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी और वादों को पूरा न करने के आरोपों ने सत्ता विरोधी लहर को मजबूत किया, जिसके परिणामस्वरूप मतदाताओं ने विकल्प के रूप में भाजपा की ओर रुख किया। अरविंद केजरीवाल ने यमुना को साफ करने, दिल्ली की सड़कों को पेरिस जैसा बनाने और साफ पानी उपलब्ध कराने जैसे जो तीन प्रमुख वादे दिल्ली की जनता से किए थे, वे एक दशक में भी पूरे नहीं हुए। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, सांसद संजय सिंह इत्यादि पार्टी के शीर्ष नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और उनकी गिरफ्तारी ने पार्टी की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाते हुए 'आप' की भ्रष्टाचार विरोधी छवि को कमजोर किया। इन घटनाओं ने पार्टी की स्वच्छ राजनीति के दावे पर सवाल खड़े किए और जनता के विश्वास को कमजोर किया। खासतौर से केजरीवाल की गिरफ्तारी और बाद में उनके इस्तीफे के कारण पार्टी के नेतृत्व में अस्थिरता आई और केजरीवाल की विश्वसनीयता में बड़ी कमी आई।

केजरीवाल ने हमेशा से वीआईपी कल्चर पर सवाल उठाए थे लेकिन शीशमहल के मुद्दे पर वे स्वयं 'वीआईपी कल्चर' के मुद्दे पर बुरी तरह घिर गए थे। भाजपा-कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर आप को घेरने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। राजनीति में आने से पहले केजरीवाल ने कहा था कि वो वीवीआईपी कल्चर को खत्म करेंगे, गाड़ी, बंगला और सुरक्षा लेने की बात से भी उन्होंने इनकार किया था लेकिन सत्ता मिलने के बाद उन्होंने लग्जरी गाड़ियां तो ली ही, केंद्र से जेड प्लस सुरक्षा मिलने के बावजूद पंजाब सरकार की शीर्ष सुरक्षा भी ली।

पार्टी के भीतर आंतरिक कलह और नेतृत्व के मुद्दों ने भी आप की हार में बड़ा योगदान दिया। कई वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने या निष्क्रिय होने से संगठनात्मक ढांचे में कमजोरी आई। इसके अलावा नेतृत्व के प्रति असंतोष और निर्णय लेने में पारदर्शिता की कमी ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के मनोबल को प्रभावित किया। आप सरकार ने बिजली, पानी और अन्य सुविधाओं में मुफ्त सेवाओं की घोषणा की थी लेकिन विपक्ष ने इसे 'रेवड़ी संस्कृति' कहकर आलोचना करते हुए इसे आर्थिक रूप से अव्यवहारिक बताया। इसके अलावा, इन योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में आई समस्याओं ने जनता के बीच नकारात्मक धारणा बनाई, जिससे 'आप' की लोकप्रियता में गिरावट आई। दिल्ली में सड़क, परिवहन और स्वच्छता के क्षेत्रों जैसे बुनियादी ढांचे के विकास में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई। इसके अलावा प्रदूषण, जलभराव और कूड़े के ढेर जैसी समस्याओं का समाधान नहीं होने से जनता में केजरीवाल सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ी थी। इन मुद्दों पर सरकार की निष्क्रियता ने मतदाताओं को निराश किया। दिल्ली में आप की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण मुफ्त बिजली-पानी जैसी योजनाओं को माना जाता रहा लेकिन चुनाव के दौरान भाजपा ने भी 'आप' वाला ही दांव खेला और अपने चुनावी संकल्पों में महिलाओं, बच्चों व युवाओं से लेकर ऑटो रिक्शा चालकों तक के लिए बड़ी-बड़ी घोषणाएं तो की ही, साथ ही यह ऐलान भी किया कि वह सत्ता मिलने पर आप द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं को जारी करेगी। भाजपा की इन घोषणाओं से आप की चुनौती बहुत बढ़ गई थी।

विपक्ष और खासकर भाजपा की मजबूत रणनीति तथा भाजपा का मुखर प्रचार आप के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना। भाजपा ने आप सरकार की तमाम कमजोरियों को उजागर करने में सक्रिय भूमिका निभाई। कांग्रेस ने भी इस तरह टिकट बांटे, जिसने कई सीटों पर आप को आसान जीत से रोकने में अहम भूमिका निभाई। भ्रष्टाचार, विकास की कमी और अन्य मुद्दों पर केंद्रित अभियानों ने जनता के बीच आप के प्रति नकारात्मक धारणा बनाई। भाजपा ने सामाजिक और धार्मिक मुद्दों को भी पुरजोर तरीके से उठाया, जिससे आप के समर्थन में बड़ी कमी आई। चुनाव से पहले कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन की चर्चाएं थी लेकिन हरियाणा विधानसभा में दोनों के बीच गठबंधन नहीं होने के कारण दिल्ली में भी दोनों दलों के बीच गठबंधन नहीं हो सका, जिसके चलते विपक्षी मतों का विभाजन हुआ और इसका सीधा लाभ भाजपा को मिला। कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करने के फैसले ने आप की रणनीतिक कमजोरी को उजागर किया और विपक्षी एकता की कमी का स्पष्ट संकेत दिया। इसका भी दिल्ली के मतदाताओं पर विपरीत प्रभाव पड़ा। पिछले दो विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने एक भी सीट नहीं जीती थी। 2015 में कांग्रेस को 9.7 प्रतिशत मत मिले थे लेकिन 2020 में मतों का प्रतिशत गिरकर महज 4.3 फीसद रह गया था लेकिन इस बार कांग्रेस के मत प्रतिशत में जो बढ़ोतरी हुई है, उसका नुकसान भी आप को भुगतना पड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हर चुनावी सभा में 'आप' को ऐसी 'आपदा' करार देते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरने का भरपूर प्रयास किया, जिसने जनता के फायदे के लिए मिलने वाली केंद्र की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने दिया, उससे मतदाताओं के बीच आप की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा और प्रधानमंत्री के 'आपदा' वाले नारे से भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश कई गुना बढ़ा। दिल्ली की आबादी में पूर्वांचल (बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड) से आए लोगों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है और विपक्ष ने इस समुदाय की समस्याओं को नजरअंदाज करने के आरोप लगाते हुए आप सरकार को इस मुद्दे पर घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। छठ पूजा के दौरान यमुना नदी में जहरीले झाग की समस्या, आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने देना, बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों ने पूर्वांचली समुदाय में असंतोष बढ़ाया। इस उपेक्षा के कारण इस समुदाय का समर्थन आप से हटकर अन्य दलों की ओर गया और इसका नुकसान आप को भुगतना पड़ा।

बहरहाल, केजरीवाल का दावा था कि वे नैतिकता और शुचिता की राजनीति करने आए हैं लेकिन उन्होंने दूसरे राज्यों के चुनावों में जिस तरह से पैसा खर्च किया और दिल्ली में कोरोना काल के दौरान करोड़ों रुपये खर्च कर जो 'शीशमहल' बनवाया, उसे लेकर उन पर लगातार लगते रहे आरोपों का पार्टी के पास ही कोई कारगर जवाब नहीं था। देश को भ्रष्टाचार मुक्त करने के बड़े-बड़े दावों के बीच शराब घोटाले जैसे भ्रष्टाचार के छींटे, केजरीवाल की तानाशाहीपूर्ण नेतृत्व शैली, उनका अड़ियल रवैया, इस तरह की बातों से मतदाताओं का केजरीवाल से मोहभंग होता गया और भाजपा मजबूत विकल्प के रूप में उभरती गई। कुल मिलाकर, केजरीवाल की कथनी और करनी के बीच बड़ा अंतर आप की हार का बड़ा कारण रहा। दिल्ली की खस्ताहाल सड़कों और बारिश के मौसम में जलभराव के मुद्दे ने भी दिल्ली में केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ाई। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने ही इस मुद्दे पर आप को घेरा, जिसने आप की लुटिया डुबोने में बड़ी भूमिका निभाई।

दृश्टि कोण

दिल्ली चुनाव में संविधान को लेकर भाजपा के खिलाफ दुष्प्रचार बेअसर

दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों ने न सिर्फ भविष्य की राजनीति की दिशा को स्पष्ट किया, बल्कि कुछ अहम मुद्दों पर जनता की राय को भी उजागर किया। एक प्रमुख संदेश यह है कि संविधान को लेकर भाजपा पर आरोप लगाने और उसे बदलने या अनदेखा करने का दुष्प्रचार अब असरदार नहीं रह गया है। इस नैरेटिव का उद्देश्य दलित-पिछड़ों को भाजपा से दूर रखना था, लेकिन नतीजों से स्पष्ट है कि कांग्रेस इसमें असफल रही।

आरक्षित सीटों के परिणामों में भी महत्वपूर्ण संकेत छिपे हैं। दिल्ली की 12 आरक्षित सीटों में से आठ पर आम आदमी पार्टी और चार पर भाजपा ने जीत दर्ज की। यह दिखाता है कि दलित समाज में कांग्रेस का 'संविधान का रक्षक' होने का दावा प्रभावी नहीं हुआ। राहुल गांधी ने बार-बार संविधान की प्रति लहराकर इसे मोदी सरकार के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश की, लेकिन यह रणनीति मतदाताओं को प्रभावित करने में विफल रही।

दिल्ली में मुस्लिम प्रभाव वाली करीब एक दर्जन सीटों पर भी रोचक बदलाव देखने को मिला। जंगपुरा में मनीष सिसोदिया की हार से साफ है कि मुस्लिम बहुल सीटों पर आप की पकड़ पहले जैसी नहीं रही। भाजपा ने मुस्तफाबाद और करावल नगर में जीत दर्ज कर यह दिखाया कि मुस्लिम मतदाता भी उसके प्रति नरम हो रहे हैं। हालांकि, अधिकांश मुस्लिम मतदाता अब भी आप के साथ रहे।

कांग्रेस के लिए यह चुनाव एक और झटका साबित हुआ। उसे महज 6.48% वोट मिले, जो पिछले चुनाव की तुलना में थोड़ा बेहतर था, लेकिन सीटों के लिहाज से फिर भी शून्य पर ही अटकी रही। हालांकि, कांग्रेस के आक्रामक प्रचार ने केजरीवाल विरोधी माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अलका लांबा के बयान को इसी संदर्भ में देखा जा सकता है, जिसमें उन्होंने कहा कि 'दिल्ली में उनका नुकसान हुआ है, जिन्होंने दिल्ली का नुकसान किया।'

केजरीवाल का वह बयान, जिसमें उन्होंने मोदी को हराने के लिए उनके 'दूसरा जन्म' लेने की चुनौती दी थी, अब बेमानी हो गया है। तीन बार से देश की सत्ता में काबिज मोदी को दिल्ली में इस बार बड़ी सफलता मिली। दिलचस्प यह है कि इस जीत में कांग्रेस की अप्रत्यक्ष भूमिका भी रही। हालांकि, यह इतिहास में दर्ज होगा या नहीं, कहना मुश्किल है।

'संविधान खतरे में है' वाला नैरेटिव इस चुनाव में नहीं चला, लेकिन कांग्रेस शायद ही इस मुद्दे को छोड़ने वाली है। राहुल गांधी का रुख दर्शाता है कि वह अपनी रणनीति से हटने वाले नहीं, चाहे परिणाम कुछ भी हों। दिलचस्प यह भी है कि केजरीवाल ने कुछ समय पहले सभी मुख्य विपक्षी दलों से कांग्रेस के विरोध में खड़े होने की बात कही थी। अब उनकी पार्टी की हार से गठबंधन की एकजुटता पर और असर पड़ेगा। पहले से ही कमजोर विपक्षी गठबंधन में, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और शरद पवार जैसे नेताओं ने कांग्रेस की जगह आप को तरजीह दी थी। अब, जब आप खुद मुश्किल में है, तो यह इंडी गठबंधन और बिखर सकता है।

आम आदमी पार्टी की हार असम गण परिषद् की याद दिलाती है, जो 1985 में आंदोलन से उभरी थी, लेकिन महज दो कार्यकाल के भीतर अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष करने लगी। वहां आंतरिक कलह के कारण पार्टी कमजोर हो गई थी। आम आदमी पार्टी के लिए भी यह खतरा मंडरा रहा है, खासकर पंजाब में।

वहां के आप नेता यह सवाल उठा सकते हैं कि आखिर वे ऐसे नेता के नेतृत्व में क्यों रहें, जो अपनी सीट और सरकार, दोनों नहीं बचा सका। अब देखना होगा कि आम आदमी पार्टी असम गण परिषद् की तरह हाशिए पर चली जाती है या फिर कोई नई राह तलाशती है। संभावना यह भी है कि पार्टी के भीतर केजरीवाल के नेतृत्व को चुनौती दी जाए, खासकर पंजाब में, जहां केजरीवाल की पकड़ दिल्ली जितनी मजबूत नहीं है।

विचार मंथन

33 करोड़ देवी देवताओं के भरोसे महाकुंभ

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन चल रहा है। भक्तों में संगम जाकर स्नान करने की होड़ मची हुई है। माघ पूर्णिमा स्नान के लिए देश भर से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं। उत्तर प्रदेश और समीपव्रती राज्यों मे जाम लग गया है। प्रयागराज से 200 से 300 किलोमीटर ईद-गिर्द चार पहिया वाहन रेंग रहे हैं। वाहनो में श्रद्धालुओं का परिवार है। जिसमें छोटे-छोटे बच्चे और महिलाएं भी हैं कई घंटे तक भूखे प्यासे रहकर जाम में फंसे हुए हैं। आस्था इतनी प्रबल है, संगम में स्नान करने का मोह छोड़ नहीं पा रहे हैं। जो छोड़ना चाहते हैं, उन्हें वापस जाने के लिए रास्ता नहीं मिल रहा है। उत्तर प्रदेश की पुलिस समस्या का समाधान नहीं निकाल पाई। मध्य प्रदेश जैसे राज्यों को अपनी पुलिस व्यवस्था करनी पड़ी। अन्य राज्यों मे जाम में फंसे यात्रियों के लिए चाय-नाश्ता, भोजन-पानी की व्यवस्था प्रशासनिक एवं जन सहयोग से सामाजिक संस्थाओं द्वारा करने की कोशिश की गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता, संघ के अनुवांशिक संगठन, बजरंग दल और गौ रक्षक कहां छिपे हैं। इसको लेकर लोग चर्चा करने लगे हैं। पहली बार महाकुंभ के आयोजन में 100 करोड़ श्रद्धालुओं को संगम में दर्शन कराने, ठहराने, खाने-पीने की व्यवस्था करने का दावा उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने किया था। हिंदू संगठनों ने भी महाकुंभ को लेकर बड़े-बड़े दावे किए थे। महाकुंभ शुरू होने के बाद जिस तरह से कई स्थानों पर भगदड़ मची। कुंभ मेला के क्षेत्र में कई जगहों पर आग लगी। अभी भी हजारों लोग कुंभ मेले से गायब हैं। जिसकी तलाश उत्तर प्रदेश की पुलिस अभी तक नहीं कर पाई है। उत्तर प्रदेश सरकार अभी तक मृतकों के आंकड़े को भी अपग्रेड नहीं कर पाई है। एक ही बार 30 श्रद्धालुओं की मौत होने का समाचार अधिकृत रूप से आया था। उसके बाद से लगातार अफवाहें चल रही हैं। माघ पूर्णिमा स्नान के पहले सैकडों किलोमीटर दूर तक का जाम लगा है। वह अपने आप में अभूतपूर्व है। प्रयागराज में दूध और खाने पीने की वस्तुओं का अभाव हो गया। प्रयागराज में आवश्यक वस्तुओं की कमी हो गई। बड़े वाहन प्रयागराज तक पहुंच ही नहीं पाए। प्रयागराज मे भारी भीड़ को देखते हुए जिन मुसलमानों को मेला क्षेत्र में घुसने नहीं दिया गया था। उन मुसलमान ने अपनी मस्जिद और घर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए। कुंभ में इसके पहले कभी भी इस तरह की अव्यवस्था नहीं देखी गई। उत्तर प्रदेश सरकार ने 10000 करोड रुपए से ज्यादा महाकुंभ इंतजाम में खर्च किए। जो अभी तक खर्च की गई राशि में सबसे ज्यादा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दावा किया गया था। जगह-जगह हजारों की संख्या में कैमरे लगाए गए हैं। एआई तकनीकी की मदद ली गई है। बड़े-बड़े कई सेक्टर बनाए गए हैं। उनमें सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। पल-पल की जानकारी कंट्रोल रूम को मिल रही है। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव पल-पल की जानकारी ले रहे थे। प्रयागराज की व्यवस्था डिविजनल कमिश्नर के हाथों में थी। पुलिस महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी मेला क्षेत्र में लगातार सुरक्षा व्यवस्था को देख रहे थे। यह सब कागजों तक सीमित होकर रह गया। मेला क्षेत्र में भारी गंदगी फैल गई। भोजन-पानी की समस्या लगातार बनी रही। पेयजल की आपूर्ति श्रद्धालुओं के बीच में नहीं हो सकी। भारी भीड़ और जाम की हालत को देखते हुए 13 फरवरी के सुबह तक के लिए वाहनों की एंट्री बंद कर दी गई। ऐसी अव्यवस्था इसके पहले कभी देखने को नहीं मिली। महाकुंभ के इस इंतजाम को लेकर करोड़ों की संख्या में आए श्रद्धालु त्राहिमाम त्राहिमाम करते रह गए। ऐसी हालत में अव्यवस्था के बीच से व्यवस्था निकलना शुरू हो गई। जो श्रद्धालु जाम में फंसे थे, उन्होंने खुद व्यवस्था बनानी शुरू कर दी। श्रद्धालु कह रहे हैं, यदि हिंदुओं के 33 करोड़ देवी देवता नहीं होते, तो वह सुरक्षित नहीं रहते। कुंभ मेले के दौरान हिंदू श्रद्धालुओं के बीच में देवी देवताओं के बीच में आस्था की अलख जगी, जिसके कारण वह पूर्ण रूप से सुरक्षित होकर अपने घर वापस लौट रहे हैं। बहरहाल सरकार कागजों पर अपनी दुकान लगती है। कागजों पर पैसे खर्च हो जाते हैं। नेताओं और अधिकारियों की तिजोरियों में करोड़ों-अरबो रुपए पहुंच जाते हैं। जो राजनीतिक दल इस धार्मिक आस्था का फायदा उठा लेता है, वह सत्ता के सिंहासन पर बैठ जाता है। श्रद्धालु हमेशा समर्थ और शक्तिमान की पूजा करते हैं। उन्ही में श्रद्धालुओं भगवान का अंश देखते हैं। श्रद्धालुओं का अपना स्वयं का भाग्य होता है। इसमें देवी-देवता और सरकार क्या कर सकते हैं। यह सोचकर भक्त नियति से समझौता कर लेता है। यही हिंदू धर्म की आस्था और सत्य का प्रतीक है। दुनिया के देशों में जिस तरह से महाकुंभ के आयोजन को लेकर प्रचार प्रसार किया गया था। महाकुंभ की समाप्ति के पहले प्रचार प्रसार का यह ढोल पूरी तरह से फट गया है। उत्तर प्रदेश सरकार की इससे पहले इतनी बड़ी बदनामी कभी नहीं हुई होगी, जो इस महाकुंभ में हुई है। बरबस हर आदमी के मुंह से निकल रहा है। अव्यवस्था के बीच में पहली बार व्यवस्था को निकलते हुए देखा है। अव्यवस्था से व्यवस्था कैसे बनती है, इसका उदाहरण यह महाकुंभ है। इसे कॉलेजों के पाठ्यक्रम में शामिल करके मैनेजमेंट ओर एडमिनिस्ट्रेशन के छात्रों और प्रबंधन के कार्य में लगे हुए लोगों को पढाने और सिखाने की जरूरत है। ताकि जो स्थिति इस महाकुंभ में बनी है, भविष्य में वह स्थिति पुनः ना बने।

भ्रष्टाचार पर होगा वार

विभागों की मलाई पर तकरार

वैश्विक स्तरपर आज सारी दुनियाँ कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार के दंश से अर्थव्यवस्था में कमजोरी महसूस कर रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार रूपी काली कमाई भ्रष्टाचारियों द्वारा बेहद सस्पेंस वाली जगह पर छुपा कर रखा जाता है,जो अर्थव्यवस्था के सरकुलेशन में काम नहीं आती। मसलन 2000 के नोटों की लंबी राशि चलन में नहीं आ रही थी यानी मतलब साफ है भ्रष्टाचार्यों के पास लॉक हो गई थी,नतीजा नोटों की नोटबंदी ही पर्याय था। परंतु बहुत ताजुब की बात है एक ओर जहां सरकार भ्रष्टाचार जीरो टॉलरेंस करने कमर कसकर भिड़ी हुई है दूसरी ओर हमेशा देखा जाता है की राजनीति में सहयोगी पार्टी या पार्टी के अंदर ही पार्टी के कद्दावर नेताओं में मंत्रालय के विभागों की मलाई पर तकरार होती है,यानें सरकारी टेंडर में परसेंटेज के मामले होते हैं,इसीलिए ही 40 या 50 पेर्सेंट के आरोप प्रत्यारोप राजनीति में सभी बातें एक दूसरे के ऊपर लगाते रहते हैं अक्सर चुनाव जीते हुए व्यक्तियों से लेकर मंत्री व चपरासी से लेकर उच्च पदासीन अधिकारी इसमें शामिल होते हैं तो फिर भ्रष्टाचार की जीरो टॉलरेंस नीति का क्या अर्थ हुआ? जो रेखांकित करने वाली बात है, जिसका सटीक उदाहरण महाराष्ट्र के एक नेता पर गृहमंत्री होने के बावजूद 100 करोड़ प्रतिमाह का आरोप लगा था वो जेल भी गए थे। ऐसे अनेक आरोप राजनीतिज्ञों मंत्रियों पर लगते रहते हैं जो रेखा रेखांकित करने वाली बात है, जिससे क्लियर होता है कि भ्रष्टाचार ऊपर से लेकर नीचे की ओर चलता है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगेविभागों की मलाई पर तकरार, भ्रष्टाचार पर कैसे होगा पलटवार !तथा भ्रष्ट प्लस अचार एट द रेट ऑफ भ्रष्टाचार, लोक निर्माण सरकारी टेंडर गृह परिवहन मंत्रालयों को आखिर क्यों मलाई वाला विभाग कहा जाता है?

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के अर्थ को समझने की करें तो, भ्रष्टाचार शब्द दो शब्दों की संधि से बना है-भ्रष्ट+आचार,जिनके निम्न अर्थ हैं-भ्रष्ट=दूषित, गंदा, अनैतिक,गलत, आपराधिक, आचार=आचरण, व्यवहार, कार्यकप कार्य, तो सीधे शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार का तात्पर्य उस कार्य से है जो गलत हो, अनैतिक हो, आपराधिक हो या दूषित हो। हमारे राजनेताओं की कृपा से आजकल यह शब्द मुख्यतया राजनैतिक संदर्भ में प्रयोग होता है लेकिन सामान्यतया हर वह आचरण भ्रष्टाचार है जो कि किसी गलत उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अनैतिक ढंग से और दुर्भावना से किया जाए।केवल सरकारी कार्यों में घोटाले करना ही भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि अपने आदर्शों से समझौता करना और निजी लाभ के लिए किसी अन्य को पीड़ा पहुंचाना भी भ्रष्टाचार है।दूधवाले का दूध में पानी मिलाना भी भ्रष्टाचार है और शिक्षक का कक्षा में ना पढ़ाना भी भ्रष्टाचार है। अधिकारी का काम ना करना भी भ्रष्टाचार है और काम के बदले रिश्वत मांगना भी भ्रष्टाचार है। टैक्स चोरी करना भी भ्रष्टाचार है और यातायात के नियमों को ना मानना भी भ्रष्टाचार है।सीमित शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार केवल सरकारी योजनाओं में घोटाले करना ही नहीं है बल्कि निजी स्वार्थ सिद्धि हेतु किया गया हर गलत आचरण ही भ्रष्टाचार है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार से आर्थिक दुष्प्रभाव की करें तो,भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ता है,मसलन, भ्रष्टाचार के चलते सड़क कमजोर बनायी जाती है, जिससे वह जल्दी टूट जाती है, इस फॉर्मूले के अनुसार भारत और चीन की विकास दर कम होनी चाहिए थी, क्योंकि ये देश ज्यादा भ्रष्ट हैं,परंतु वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है।भारत और चीन की विकास दर अधिक है।भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भ्रष्टाचार से प्राप्त रकम का उपयोग किस प्रकार किया जाता है।मान लीजिए एक करोड़ रुपये के सड़क बनाने के ठेके में से 50 लाख रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, सड़क घटिया बनी. प्रश्न उठता है कि घूस की 50 लाख की रकम का उपयोग किस प्रकार हुआ यदि इस रकम को शेयर बाजार में लगाया गया तो भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव कुछ घटता है,दक्षिणी अमेरिकी देशों एवं भारत में यह अंतर साफ है। दक्षिण अमेरिका के नेताओं ने घूस की रकम को स्विट्जरलैंड के बैंकों में जमा करा दिया। नतीजा विकास में गिरावट आयी,परंतु भारतीय नेताओं ने स्विस बैंकों में जमा कराने के साथ- साथ घरेलू उद्यमियों के पास भी रकम जमा करायी। यदि घूस की रकम का निवेश किया जाये, तो अनैतिक भ्रष्टाचार का आर्थिक सुप्रभाव भी पड़ सकता है।मान लीजिए सरकारी निवेश में औसतन 70 फीसदी रकम का सदुपयोग होता है, जबकि निजी निवेश में 90 फीसदी का, ऐसे में यदि एक करोड़ रुपये को भ्रष्टाचार के माध्यम से निकाल कर निजी कंपनियों में लगा दिया जाये, तो 20 लाख रुपये का निवेश बढ़ेगा।अर्थशास्त्र में एक विधा 'बचत की प्रवृत्ति' के नाम से जानी जाती है। अपनी अतिरिक्त आय में से व्यक्ति कितनी बचत करता है उसे 'बचत की प्रवृत्ति' कहा जाता है। गरीब की 100 रुपये की अतिरिक्त आय हो, तो वह 90 रुपये की खपत करता है और 10 रुपये की बचत. तुलना में अमीर को 100 रुपये की अतिरिक्त आय हो, तो वह 10 रुपये की खपत करता है और 90 रुपये की बचत करता है.मान लीजिए अमीर इंजीनियर ने गरीब किसान से 100 रुपये की घूस ली। गरीब की आय में 100 रुपये की गिरावट आयी, जिसके कारण बचत में 10 रुपये की कटौती हुई. परंतु अमीर इंजीनियर ने 100 रुपये की घूस में 90 रुपये की बचत की. इस प्रकार घूस के लेनदेन से कुल बचत में 80 रुपये की वृद्धि हुई। अमीर द्वारा गरीब का शोषण सामाजिक दृष्टि से गलत होते हुए भी आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हो गया।भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ता है। मसलन, भ्रष्टाचार के चलते सड़क कमजोर बनायी जाती है, जिससे वह जल्दी टूट जाती है। इस फॉर्मूले के अनुसार भारत और चीन की विकास दर कम होनी चाहिए थी, क्योंकि ये देश ज्यादा भ्रष्ट हैं। परंतु वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत और चीन की विकास दर अधिक है. भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भ्रष्टाचार से प्राप्त रकम का उपयोग किस प्रकार किया जाता है.मान लीजिए एक करोड़ रुपये के सड़क बनाने के ठेके में से 50 लाख रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया.

बेटी की दवा लेने जा रहे परिवार की कार दुर्घटनाग्रस्त, पांच की मौत

बहराइच (हिंस)। उत्तर प्रदेश में बहराइच-लखनऊ मार्ग पर करीम बेहड़ गांव के पास मंगलवार की सुबह कार और डंपर में टक्कर हो गई। हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानंद कुशवाहा ने मंगलवार को बताया कि मृतकों में जिले के मटेरा थाना क्षेत्र के मटेरा चौराहा निवासी अबरार (28), उनके पिता गुलाम हजरत (65), मां फातिमा (60), 18 माह की बच्ची हानिया और कार चालक चांद (28) शामिल हैं। रुकैया नाम की महिला की हालत गंभीर है। परिजनों के मुताबिक अबरार सेना में जवान थे। वह अपनी 18 माह की बच्ची हानिया को लेकर इलाज के लिए लखनऊ जा रहे थे। कार लखनऊ-बहराइच मार्ग पर करीम बेहड़ गांव के पास पहुंची, तभी कैसरगंज की ओर से आ रहे डंपर ने अनियंत्रित होकर कार में टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोगों ने जिला अस्पताल लाते समय दम तोड़ दिया। पुलिस ने कार को जेसीबी से बाहर निकलवाया। हादसे के बाद जाम लग गया।

महाकुंभ की दिव्यता देख पक्ष ही नहीं विपक्ष भी संगम में डुबकी लगाने के लिए व्याकुल

महाकुंभ को लेकर की गई भव्य व्यवस्थाओं से विरोधी नेता भी चले संगम की शरण में

महाकुंभनगर (हिंस)। महाकुंभ की भव्यता और दिव्यता सभी सीमाओं को लांघते हुए पूरे विश्व को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस ऐतिहासिक आयोजन की ऐसी उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की गई हैं, जिसने इसे अब तक का सबसे भव्य और सुव्यवस्थित महाकुंभ बना दिया। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक, आम जन से लेकर वीवीआईपी तक, हर कोई संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए उत्सुक दिख रहा है। विपक्ष के नेताओं की जुबान पर भले ही विरोध रहा हो, लेकिन मन में उत्साह लेकर अधिकतर नेताओं को संगम की शरण में आते देखा जा रहा है। महाकुंभ के महापर्व पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सहित देश के सभी गणमान्य महाकुंभनगर पहुंचे। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हो रहे दुनिया के सबसे विशाल कार्यक्रम के गवाह तमाम प्रदेशों के राज्यपाल और मुख्यमंत्री बने। इसी क्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग,

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में समूचे मंत्रिपरिषद ने एक साथ त्रिवेणी में पवित्र अमृत स्नान किया। इसके बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी पूरी मंत्री परिषद, सांसदों और विधायकों के साथ संगम में स्नान किया। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कर्नाटक के डिप्टी सीएम और वहां के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार भी पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने पहुंचे। डीके शिवकुमार के साथ उनकी पत्नी उषा भी पहुंची थीं। डीके शिवकुमार से पहले उनकी बेटी ऐश्वर्या ने महाकुंभ में स्नान कर विशेष पूजन किया। यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय भी यहां आने से खुद को न रोक सके। दूसरी ओर वरिष्ठ कांग्रेसी और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी महाकुंभनगर में पवित्र अमृत स्नान की उम्मीद से चले। लेकिन यहां उमड़े श्रद्धालुओं के अभूतपूर्व जनसमुद्र में फंसकर रह गए। उन्हें बीच रस्ते से ही लौटना पड़ गया। ये सभी जुबान से भले ही मोदी और योगी का विरोध करते हैं, लेकिन वे भी जानते हैं कि सीएम योगी ने इस आयोजन के माध्यम से एक ऐसी लकीर खींच दी है, जिसके आगे विपक्ष के सारे आरोप बेमानी साबित हो रहे हैं। भारत के धुर विरोधी पाकिस्तान में भी महाकुंभ को सर्च किया जा रहा है। पहली बार पाकिस्तान से 68 श्रद्धालुओं का एक विशेष दल महाकुंभ में शामिल भी हुआ। सिंध प्रांत से बड़ी संख्या में यहां आए डॉक्टर, इंजीनियर और व्यवसायियों ने संगम में डुबकी लगाई और इस आध्यात्मिक यात्रा को अविस्मरणीय बताया।

दीनदयाल के विचार और सिद्धांत सदैव जनसेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे : उप मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 57वीं पुण्यतिथि के अवसर पर धानक्या स्थित राष्ट्रीय स्मारक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें राष्ट्रसेवा एवं समर्पण का प्रतीक बताते हुए श्रद्धांजलि दी। दीया कुमारी ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय केवल एक विचारक ही नहीं, बल्कि समर्पित संगठनकर्ता और नेता भी थे। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में शुचिता और गरिमा के उच्चतम मानक स्थापित किए। भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक मार्गदर्शक के रूप में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने अपने विचारों से भारतीय राजनीति में उच्च आदर्श स्थापित किए और हमेशा राष्ट्रहित व मातृभाषा को प्राथमिकता दी। उनकी आर्थिक नीतियां गरीबों के कल्याण पर केंद्रित थीं और अंत्योदय का विचार उनके दर्शन का अभिन्न हिस्सा था। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार अंत्योदय के मार्ग पर आगे बढ़ रही है। भाजपा *विकसित राजस्थान-विकसित भारत* के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दीनदयाल उपाध्याय के *एकात्म मानवदर्शन* को अपने वैचारिक आधार के रूप में स्वीकार किया है। यह दर्शन भाजपा की *सबका साथ-सबका विकास* की नीति में भी झलकता है। सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, अंत्योदय और विकास को संगठन के मार्गदर्शक सिद्धांतों में शामिल किया गया है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ बोले-किरोड़ी को नोटिस पार्टी का आंतरिक मामला

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा को पार्टी द्वारा नोटिस जारी करना पूरी तरह से संगठन का आंतरिक मामला है। पार्टी जहां जरूरी समझती है, वहां उचित निर्णय लेती है। उन्होंने कहा कि यह कोई मीडिया ट्रायल का विषय नहीं है, बल्कि परिवार का मामला है और परिवार के सदस्यों को समय-समय पर समझाना भी पड़ता है। दिल्ली स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में मदन राठौड़ ने स्पष्ट किया कि पार्टी में अनुशासन बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने

कहा कि अगर संगठन को किसी भी स्तर पर स्पष्टीकरण की आवश्यकता होती है तो पार्टी के अंदर ही पूछताछ और बातचीत होती है। किरोड़ी के समर्थकों द्वारा जताई गई नाराजगी पर राठौड़ ने कहा कि किसी को भी उग्र होने की जरूरत नहीं है। *हम सब एक परिवार हैं, सभी साथ बैठते हैं और चर्चा करते हैं। इसे भी आपसी संवाद से सुलझा लेंगे,* उन्होंने कहा। गौरतलब है कि सोमवार को भाजपा ने कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। पार्टी ने फोन टैपिंग से जुड़े उनके सार्वजनिक बयान को अनुशासनहीनता मानते हुए तीन दिन के भीतर जवाब मांगा है। किरोड़ी ने बयान दिया था कि भाजपा सरकार फोन टैपिंग करा रही है, जिसे पार्टी ने गलत करार दिया और इसे सरकार की प्रतिष्ठा को धूमिल करने वाला बताया। किरोड़ी मीणा ने इससे पहले लोकसभा चुनाव में दौसा सीट से भाजपा की हार के बाद मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनका इस्तीफा अभी तक स्वीकार नहीं किया है। अब जब पार्टी ने उन्हें अनुशासनहीनता को लेकर नोटिस जारी कर दिया है, तो राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या मुख्यमंत्री अब उनके इस्तीफे को स्वीकार करेंगे ?

हिसार : महिला निवेशकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

वूमेन सेल व वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ कार्यक्रम

हिसार (हिंस)। दयानंद महाविद्यालय की वूमेन सेल व वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में *इन्वेस्टर अवेयरनेस प्रोग्राम फॉर वूमेन* विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। इस आयोजन में शालू रानी एंड एसोसिएट की चार्टज अकाउंटेंट (सीए) शालू असीजा, एनआईएसएम सर्टीफाइड इक्विटी रिसर्च एनालिस्ट मुख्य वक्ता रही। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह, वूमेन सेल की संयोजिका डॉ. वलेरिया सेठी तथा वाणिज्य विभाग की इंचार्ज डॉ. रेनू राठी ने मंगलवार को कॉलेज पहुंची मुख्य वक्ता का पौधा देकर स्वागत किया। प्राचार्य ने कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि छात्राओं के लिए इनवेस्टमेंट बहुत महत्वपूर्ण हैं, जिससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। इस तरह के व्याख्यान से विद्यार्थियों को निवेश करने की

जानकारी प्राप्त होती है। इसके पश्चात प्राचार्य महोदय ने मुख्यवक्ता शालू असीजा से अपील की कि वह हमारी छात्राओं को निवेश जागरूकता के बारे में विस्तार से बताएं। मुख्य वक्ता ने अपने संबोधन में छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि निवेश ऐसा साधन है जिससे छात्राओं को आर्थिक स्वतंत्रता तथा आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिलती है। इस कार्यक्रम में वूमेन सेल की संयोजिका डॉ. वलेरिया सेठी, सह-संयोजिका डॉ. रेनू राठी, वरिष्ठ प्राध्यापकगण डॉ. अरुणा कद, डॉ. शम्मी नागपाल, प्रो. सुरजीत कौर, डॉ. शर्मिला गुणपाल, डॉ. संगीता मलिक व वाणिज्य विभाग के सभी शिक्षकगण तथा काफी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

बाल अपराधी को स्कूल में साफ सफाई करने की सजा

झुंझुनू (हिंस)। झुंझुनू जुवेनाइल कोर्ट (बाल न्यायालय) ने एक बालक को एक साल तक सरकारी स्कूल में सफाई करने की अनोखी सजा सुनाई। जज ने फैसला सुनाते हुए आदेश दिया-आपको एक साल तक सरकारी प्राइमरी स्कूल में कार्य दिवसों (सोमवार से शनिवार) के दौरान सुबह-शाम दो-दो घंटे साफ-सफाई का काम करना होगा। सेशन न्यायाधीश झुंझुनू दीपा गुर्जर ने बालक को मारपीट कर चोट पहुंचाने और बोलेरो कार में तोड़फोड़ करने का दोषी पाया। मारपीट में एक युवक की मौत हो गई थी। आदेश में उन्होंने लिखा कि स्कूल में सफाई जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) प्रारंभिक के निर्देशन और देखरेख में की जाएगी। डीईओ प्रारंभिक बालक के निवास स्थान के एक किलोमीटर के दायरे में स्थित संचालित राजकीय प्राथमिक स्कूल में सामुदायिक सेवा कराना सुनिश्चित करेंगे। इसकी पूरी पालन रिपोर्ट हर तीन महीने से डीईओ प्रारंभिक व परिवीक्षा अधिकारी को न्यायालय में पेश करनी होगी। घटना 14 अगस्त 2019 को हुई थी। परिवादी मोतीराम मीणा ने जिले के उदयपुरवाटी पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मोतीराम ने रिपोर्ट में बताया था कि मेरा बेटा सचिन अपने दोस्तों राहुल, सुमित, विकास, नरेंद्र और सुभाष के साथ कोट बांध घूमने गया था। वहां पर उन्होंने ठेले से पकौड़ी खरीदी। दुकानदार ने गर्म पकौड़ी देने की बजाय ठंडी पकौड़ी दी। सचिन और उसके दोस्तों ने इसका विरोध किया तो दुकानदार रामावतार के साथ पिंटू, रतन व बालक ने बेटे और उसके दोस्तों के साथ झर, कूंचा, लाठी व पत्थरों से मारपीट की। हमले में सचिन को गंभीर चोट आई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद सचिन के दोस्त उसे गाड़ी में अस्पताल लेकर जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में एक आरोपी फूला व उसके 8-10 साथियों ने फिर से हमला कर बोलेरो के शीशे तोड़ दिए। बाद में वे उदयपुरवाटी अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने सचिन को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर बालक के अलावा अन्य लोगों के खिलाफ संबंधित न्यायालय में चालान पेश कर दिया। बालक के खिलाफ किशोर न्याय बोर्ड में आरोप पत्र पेश किया गया। जहां से पहले यह मामला विशेष न्यायालय, पॉक्सो न्यायालय झुंझुनू और फिर वहां से उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार बाल न्यायालय में चला गया।

कार-ट्रोले की भिड़ंत में लेखाधिकारी सहित तीन की मौत

चूरू (हिंस)। जिले के रतनगढ़ थाना इलाके में रतनगढ़-सरदार शहर मेगा हाईवे पर लधासर गांव के पास सोमवार रात कार और ट्रोले की भिड़ंत में लेखाधिकारी सहित तीन लोगों की मौत हो गई। टक्कर इतनी भयंकर थी शवों को बाहर निकालने के लिए वाहन को काटना पड़ा। मृतक रतनगढ़ में सगाई समारोह में शामिल होकर सरदार शहर लौट रहे थे। रतनगढ़ थाने के हैड कांस्टेबल सुखबीर सिंह ने बताया कि रतनगढ़ नगरपालिका के लेखाधिकारी अरुण सोनी (50), श्रीगंगानगर के डिम्पल सोनी (35) और सरदारशहर के पंकज सोनी (32) रतनगढ़ में सगाई समारोह में शामिल होकर सरदार शहर लौट रहे थे। देर रात रतनगढ़ थाना इलाके में रतनगढ़-सरदार शहर मेगा हाईवे पर लधासर गांव के पास कार और ट्रोले की भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। शव कार में बुरी तरह फंस गए। अरुण सोनी के शव को कार से निकालने के लिए वाहन को काटना पड़ा। टक्कर के बाद ट्रोला पलट गया। इससे हाईवे पर लंबे समय तक जाम की स्थिति रही। सूचना मिलते ही पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को रतनगढ़ के जालान अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों के शवों को मोर्चरी में रखवाया गया है।

ग्रामीणों की सतर्कता से बची लूट : बिरलोका गांव में बदमाशों ने एटीएम तोड़ने की कोशिश की

नागौर (हिंस)। खींवसर थाना क्षेत्र के बिरलोका गांव में सोमवार रात लुटेरों ने एटीएम तोड़ने की कोशिश की। ग्रामीणों ने तोड़फोड़ की आवाज सुनकर शोर मचाया, जिससे लुटेरे भाग निकले। घटना की सूचना मिलने पर खींवसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। खींवसर थानाधिकारी रामनारायण भांवरिया ने बताया कि सुबह करीब 3.30 बजे तीन-चार बदमाश स्कॉर्पियो कार में बिरलोका पहुंचे और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम पर धावा बोला। बदमाशों ने एटीएम गार्ड को धमकाकर मशीन को लोहे की चेन से बांधने और उखाड़ने की कोशिश की। इसी बीच गार्ड के शोर मचाने पर ग्रामीण जाग गए, जिससे बदमाश एटीएम छोड़कर फरार हो गए। बदमाशों ने एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़ दिया, हालांकि पुलिस फुटेज से सबूत जुटाने की कोशिश कर रही है। पुलिस जिलेभर में संदिग्ध स्कॉर्पियो कार और गार्ड द्वारा बताए गए बदमाशों के हुलिए के आधार पर उनकी

तलाश कर रही है। घटना के बाद सीओ रामप्रताप विश्नोई ने भी मौके का निरीक्षण किया। बैंक प्रशासन यह जांचने में जुटा है कि घटना के समय एटीएम में कितनी नकदी थी। गौरतलब है कि बिरलोका के इसी एटीएम को 23 सितंबर 2023 को भी बदमाश उखाड़ ले गए थे, जिसमें 31.76 लाख रुपए थे। इसके बाद इसी गैंग ने नागौर के जोधियासी गांव (24.26 लाख रुपए) और चूरू में भी एटीएम उखाड़ने की घटनाओं को अंजाम दिया था। तीनों वारदातों में कुल 56 लाख रुपए की लूट हुई थी। चूरू पुलिस ने इस गैंग के एक आरोपी नरेश उर्फ दिनेश कुमार को गिरफ्तार किया था, जो अलवर के रैणी गांव का निवासी है। मार्च 2024 में नागौर की श्रीबालाजी थाना पुलिस ने नरेश कुमार को राजगढ़ (चूरू) की जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर नागौर लाया था। तब नरेश ने गैंग के तरीकों का खुलासा किया था। उसने बताया था कि गैंग में छह पढ़े-लिखे बदमाश शामिल हैं, जो सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम देते हैं। ये बदमाश अलवर, सीकर और नीमकाथाना के निवासी हैं और चोरी की कार का इस्तेमाल करते हैं। वारदात से पहले रात में रैकी करते हैं, एटीएम में घुसकर मशीन और कैमरों पर स्प्रे करते हैं और फिर मशीन को जंजीर से बांधकर कार से खींचकर उखाड़ लेते हैं। वारदात के समय मोबाइल फोन साथ नहीं रखते और वापसी के लिए कच्चे रास्तों का इस्तेमाल करते हैं, जहां सीसीटीवी कैमरे न हों। वारदात के बाद चुराई गई राशि आपस में बांट लेते हैं।

सड़क हादसे में महाकुंभ स्नान कर लौट रहे तीन श्रद्धालुओं की मौत

पटना (हिंस)। बिहार के कैमूर जिले के मोहनियां थाना क्षेत्र के जीटी रोड पर देवरिया गांव के सामने मंगलवार सुबह सड़क हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हा गई और दो लोग घायल हो गए। यह श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से कुंभ स्नान कर बिहार लौट रहे थे। दुर्घटना में मरने वाले औरंगाबाद जिले के हैं। बताया गया कि महाकुंभ स्नान करने के बाद तीर्थ यात्रियों का सीएनजी ऑटो औरंगाबाद जा रहा था। इस बीच मोहनियां थाना क्षेत्र केमुठानी गांव के पास तीर्थयात्रियों का ऑटो खड़े ट्रक में टकरा गया। जिससे ऑटो सवार एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई। वही मां-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की जानकारी आसपास के लोगों ने मोहनिया पुलिस और एनएचएआई को दिया गया। सभी घायलों को अनुमंडल अस्पताल मोहनिया में भर्ती कराया। घायल मां को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने जांच पड़ताल कर तीनों शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेज दिया है। मोहनिया थाना प्रभारी प्रियेश कुमार प्रियदर्शी ने बताया कि एक ऑटो ने मोहनिया थाना क्षेत्र के मुठानी के पास खड़े ट्रक में टक्कर मार देने से ऑटो सवार एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में जीजा-साली व ऑटो चालक शामिल है। इसके अलावा दो अन्य लोग घायल हुए हैं। ये सभी लोग औरंगाबाद जिले के रहने वाले हैं।

उत्तर प्रदेश में बिना हेलमेट मिल रहा पेट्रोल, मुख्य सचिव ने शासकीय कार्यालयों में प्रवेश पर लगाई रोक

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं दिए जाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश को पेट्रोल पंप मालिक नहीं मान रहे हैं। मुख्यमंत्री के आदेश को ठेंगा दिखा रहे पेट्रोल पंप मालिक अपने फायदे के लिए बिना हेलमेट पहने लोगों को भी धड़ल्ले से तेल बेच रहे है। जबकि प्रदेश के ज्यादातर पेट्रोल पंपों पर *नो हेलमेट नो पेट्रोल* स्लोगन को चस्पा कर रखा गया है। बावजूद इसके नियम को ताक पर रखकर कार्य हो रहा है। वहीं मंगलवार को प्रदेश के मुख्य सचिव ने आदेश जारी करते हुए सभी सरकारी व अर्धसरकारी कार्यालयों में बिना हेलमेट और सीट बेल्ट न लगाने वालों को प्रवेश पर रोक लगा दी है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के पेट्रोल पंपों जैसे वाराणसी में जिला जेल रोड पर सिंह पेट्रोल पंप, लखीमपुर में संसारपुर क्षेत्र के धंजू फिलिंग स्टेशन, कानपुर में नेताजी नगर स्थित पेट्रोल पंप, लखनऊ स्थित रविन्द्रपल्ली प्रवेश पेट्रोल पंप, लखनऊ कानपुर रोड पर सरदारी खेड़ा में कोहली पेट्रोल पंप इत्यादि पर दो पहिया वाहनों के मालिकों द्वारा बिना हेलमेट के पेट्रोल की खरीदारी की जाती रही है। इन पेट्रोल पंपों पर कर्मचारी द्वारा दो पहिया वाहन स्वामी को टोका तो जाता है, फिर बिना रूके तुरंत ही पेट्रोल मुहैया करा दिया जाता है। बता दें कि बीते आठ जनवरी को उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने प्रदेश के समस्त पेट्रोल पंप मालिकों या उनके प्रबंधकों के नाम से नो हेलेमेट नो पेट्रोल संदेश वाला एक पत्र भेजा था। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश का जिक्र था। मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सख्त आदेश दिया था कि कोई पेट्रोल पंप मालिक किसी भी स्थिति में

बिना हेलमेट पहने व्यक्ति को पेट्रोल नहीं देगा। ऐसा करने पर पेट्रोल पंप मालिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी। उप्र के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने मंगलवार को आदेश पत्र जारी कर कहा कि सभी शासकीय एवं अर्धशासकीय कार्यालयों के प्रवेश द्वार पर सुरक्षाकर्मी हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनुपालन की जांच करें। बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के किसी भी सरकारी कर्मचारियों एवं अधिकारियों के प्रवेश पर रोक लगाये। सभी कर्मचारी सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जागरूक हो और हेलमेट व सीट बेल्ट को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनायें। नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही पर विचार किया जायेगा। उन्होंने बैठक के बारे में कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे को सड़क सुरक्षा समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, उनके नेतृत्व में सड़क दुर्घटनाओं पर हुई बैठक में बचाव के प्रभावी उपाय अपनाने पर विशेष जोर दिया गया है।

मनाई गई दीनदयाल उपाध्याय की 57वीं पुण्यतिथि

भागलपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को अंत्योदय के प्रणेता और एकात्म मानववाद के प्रवर्तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 57वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा भागलपुर के द्वारा गौशाला प्रांगण में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में जिला अध्यक्ष संतोष कुमार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के योगदान को याद करते हुए बताया कि वे भारतीय जनसंघ के सह-संस्थापक होने के साथ-साथ एक कुशल संगठनकर्ता थे। उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए एकात्म मानववाद और अंत्योदय का विचार दिया। पूर्व जिला अध्यक्ष नभय चौधरी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का संदेश भारतीय संस्कृति की नींव पर एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करना था, जो सभी को स्वतंत्रता, समानता और न्याय, सभी के लिए अधिकतम भलाई और संघर्ष नहीं बल्कि संश्लेषण को जीवन का आधार मानता हो।

रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा सोना, चांदी में मामूली कमजोरी

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना 87 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंच गया है, वहीं 22 कैरेट सोना भी 80 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के काफी करीब पहुंचा हुआ है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,070 रुपये से लेकर 87,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 79,810 रुपये से लेकर 79,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में मामूली गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,070 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 87,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,120 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 87,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी 79,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

टाटा मोटर्स की कई कारों पर मिल रही शानदार छूट

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स चालू महीने अपनी कई गाड़ियों पर शानदार छूट दे रही है। टाटा अल्ट्रोज़ रेसर के एमवाय2024 मॉडल पर 1 लाख रुपये तक की छूट दी जा रही है। इसमें 85,000 रुपये का कंज्यूमर डिस्काउंट और 15,000 रुपये का एक्सचेंज या स्क्रैपेज बोनस शामिल है। अल्ट्रोज रेसर की कीमत 9.50 लाख से 11 लाख रुपये के बीच है। इसके अलावा, कुछ डीलरों के पास अभी भी एमवाय2024 हैरियर और सफारी मॉडल्स का स्टॉक उपलब्ध है, जिन पर 75,000 रुपये तक का बेनेफिट दिया जा रहा है। जबकि एमवाय2025 मॉडल्स पर 50,000 रुपये तक की छूट मिल रही है। टाटा नेक्सॉन के एमवाय2024 मॉडल पर 45,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है, जिसमें कैश डिस्काउंट और एक्सचेंज या स्क्रैपेज बोनस शामिल हैं। वहीं, एमवाय2025 मॉडल्स पर केवल 15,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस मिल रहा है। नेक्सॉन सीएनजी की बात करें तो सिर्फ एमवाय2024 मॉडल पर 45,000 रुपये तक का डिस्काउंट मिल रहा है। अगर आप टाटा की कार खरीदने की सोच रहे हैं, तो यह आपके लिए बेहतरीन मौका हो सकता है। बता दें कि भारत में तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है और इसकी कारों की डिमांड लगातार बढ़ रही है। अगर आप टाटा की नई कार खरीदने का प्लान कर रहे हैं, तो यह सही मौका हो सकता है।

रोजमर्रा की चीजों पर तेजी से कम हो रहा टैक्स, निर्मला सीतारमण ने संसद में कही ये बड़ी बातें

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र 2025 के दौरान वित्त मंत्री ने लोकसभा में बोलते हुए कहा कि बजट को पेश करना पहले से ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गया है. उन्होंने ये भी कहा कि देश में मुद्रास्फीति का ट्रेंड धीमा होता दिख रहा है, खासतौर से खाद्य उत्पादों के मामले में इसके अलावा, तृणमूल कांग्रेस के सांसद नदीमुल हक के सवाल का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद से टैक्स की दरों में लगातार गिरावट देखी गई है उन्होंने राज्यसभा में बताया कि गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स लागू होने के बाद इनडायरेक्ट टैक्सेस में कमी आई है. उन्होंने कहा कि ओल्ड टैक्स सिस्टम के तहत औसत डायरेक्ट टैक्स दर 15.8 फीसदी थी, जो अब घटकर 11.3 फीसदी रह गई है. इसके अलावा उन्होंने कहा कि पहले रोजमर्रा की चीजों पर 15.8 फीसदी टैक्स लगता था, लेकिन अब यह घटकर 11.3 फीसदी रह गया है. काउंसिल द्वारा लगातार दरों में कटौती की जा रही है. उन्होंने यह भी साफ किया कि से जीएसटी किसी भी चीज पर टैक्स भार नहीं बढ़ा, बल्कि कई उत्पादों पर टैक्स दरें कम हुई हैं बजट में किसे कितना मिला केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा, सरकार आने वाले वर्ष (2025-26) में प्रभावी पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) के लिए अपनी 99 फीसदी उधारी का इस्तेमाल करने का इरादा रखती है. वर्ष 2025-26 में अलग-अलग क्षेत्रों के लिए बजटीय आवंटन इस प्रकार है- कृषि को 1.71 लाख करोड़ रुपये, ग्रामीण विकास को 2.67 लाख करोड़ रुपये, शहरी विकास और परिवहन को 6.45 लाख करोड़ रुपये, स्वास्थ्य और शिक्षा को 2.27 लाख करोड़ रुपये और रक्षा (जिसमें रक्षा पेंशन शामिल नहीं है) को 4.92 लाख करोड़ रुपये दिए गए हैं।

ग्राहकों को शानदार डिस्काउंट ऑफर दे रही मारुति सुजुकी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी कंपनी इस महीने ग्राहकों को शानदार डिस्काउंट ऑफर दे रही है। कंपनी अपनी एमवाय2024 इनवेंट्री क्लियर करने के लिए आकर्षक छूट दे रही है। खासतौर पर, मारुति की सबसे ज्यादा बिकने वाली हैचबैक स्विफ्ट और सेडान डिजायर पर बंपर डिस्काउंट मिल रहा है। मारुति स्विफ्ट के एमवाय2025 मॉडल के मैनुअल और सीएनजी वेरिएंट्स पर 55,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है, जबकि एएमटी ट्रिम्स के लिए यह छूट 60,000 रुपये तक पहुंच सकती है। वहीं, कुछ चुनिंदा डीलरशिप्स के पास एमवाय2024 मॉडल्स की इनवेंट्री अभी भी उपलब्ध है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के द्वारा उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। डाउ जॉन्स 167 अंक की तेजी के साथ 44,470 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.67 प्रतिशत उछल कर 6,066.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक 185.79 अंक यानी 0.95 प्रतिशत उछल कर 19,709.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 44,431.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.77 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,767.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,006.22 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार काम किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 124.74 अंक यानी 0.57 प्रतिशत उछल कर 21,911.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक हरे निशान में बने हुए हैं। टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने के कारण निक्केई इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,344.12 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,276.33 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.99 प्रतिशत उछल कर 2,546.26 अंक के स्तर पर आया हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,352 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट टाइम्स इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,858.80 के स्तर पर आ गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 108.85 अंक यानी 1.59 प्रतिशत टूट कर 6,542.24 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 126.25 अंक यानी 0.59 प्रतिशत फिसल कर 21,395.73 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.16 प्रतिशत लुढ़क कर 3,316.83 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

शेयर बाजार में हाहाकार, लगातार पांचवें दिन सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार पांचवें दिन दबाव की स्थिति बनी रही। बाजार में 1.30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ गई। बाजार में मचे हाहाकार के कारण निवेशकों को एक दिन में ही 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो गया। बाजार में लगातार जारी गिरावट के कारण पिछले 5 दिन में सेंसेक्स में करीब 2,300 अंक की गिरावट आ चुकी है। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.32 प्रतिशत और निफ्टी 1.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के दौरान बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स में 1.12 प्रतिशत से लेकर 2.78 प्रतिशत तक की गिरावट आ गई। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 408.50 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 417.82 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 9.32 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,097 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 525 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,478 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 94 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,617 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

एसआईपी को लेकर आईसीआईसीआई प्रमुख निवेश अधिकारी के बयान से मची सेक्टर में हलचल

मुंबई

भारत के दूसरे सबसे बड़े म्यूचुअल फंड हाउस के निवेश अधिकारी के बयान पर असेट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में काफी चर्चा हो रही है। उन्होंने हाल में कहा कि मौजूदा समय में निवेशकों को स्मॉल कैप और मिडकैप म्यूचुअल फंडों में सिस्टमैटिक इंवस्टमेंट प्लान (एसआईपी) से बचना चाहिए। इसतरह के फंडों में अपने निवेश को भुनाने पर भी विचार करना चाहिए क्योंकि इनदिनों इनके वैल्यूएशन अधिक हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर निवेशक महंगे फंड्स में एसआईपी करते है, तब यह रणनीति उनके लिए घातक हो सकती है, खासकर यदि निवेश लंबे समय तक न किया जाए जो अधिकांश निवेशकों के लिए असामान्य है। स्मॉल कैप फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स होते हैं, जो छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। इन कंपनियों का मार्केट कैप काफी कम होता है। हालांकि इन फंड्स से लंबे समय में अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना बनी रहती है, लेकिन इसमें रिस्क भी अधिक होता है। बाद में निवेशक अधिकारी ने अपनी स्पीच को बाद में हटा लिया गया। उनके बयान को हटाने को लेकर दो तरह की चर्चाएं हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि ऐसा कंपनी के कॉम्प्लायंस अप्रूवल के अभाव में हुआ, जबकि कुछ का मानना है कि डिस्ट्रिब्यूटर लॉबी ने इस बयान को हटाने का दबाव डाला। दरअसल उन्होंने कहा कि अगर निवेशक गलत प्रॉडक्ट में गलत समय पर एसआईपी करते हैं, तब उन्हें नुकसान हो सकता है। उन्होंने स्मॉल और मिड कैप स्कीम्स में हो रहे निवेश पर चिंता जताकर कहा,अगर निवेशक महंगे शेयरों पर एसआईपी करते हैं, तब यह निवेश रणनीति उनके लिए घातक हो सकती है। दरअसल शेयर मार्केट में अनिश्चय का माहौल है और पांच महीने में बाजार करीब 12 प्रतिशत करेक्शन देख चुका है। उन्होंने उदाहरण दिए जब एसआईपी निवेशकों के लिए घाटे का सौदा साबित हुआ। वर्ष 1994-2002 और 2006-2013 के बीच मिड कैप में एसआईपी से निवेशकों को नुकसान हुआ था।

राइट वाटर सॉल्यूशंस ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

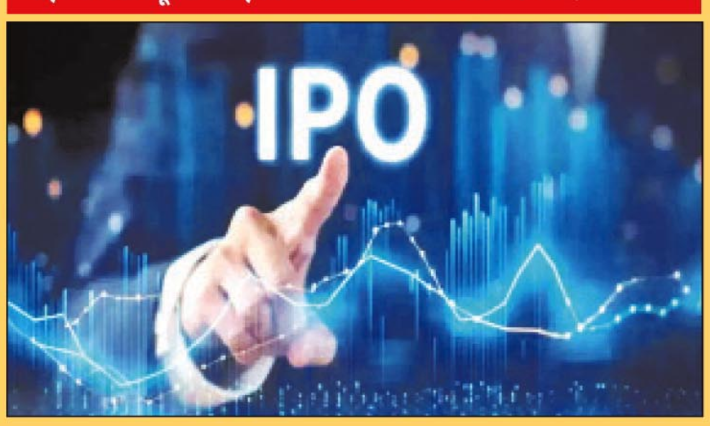

राइट वाटर सॉल्यूशंस (इंडिया) लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। ये आईपीओ 745 करोड़ का होगा। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे। सेबी के समक्ष जमा दस्?तावेज के मुताबिक राइट वाटर सॉल्यूशंस (इंडिया) लिमिटेड का 2 रुपये के अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 300 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू है, जिसमें प्रमोटरों और निवेशक विक्रय शेयरधारक द्वारा कुल 445 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

ईडी ने स्टील कंपनी मालिक संजय सुरेका की 210 करोड़ की संपत्ति जब्त की

कोलकाता

बैंक धोखाधड़ी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्टील कंपनी कॉनकास्ट स्टील एंड पावर लिमिटेड के मालिक संजय सुरेका की 210 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त कर ली है। उन पर छह हजार करोड़ रुपये से अधिक के बैंक घोटाले का आरोप है। ईडी ने उनकी संपत्तियों के अलावा विदेशी कारें और करीब 4.5 करोड़ रुपये के सोने-चांदी के आभूषण भी जब्त किए हैं।

ईडी की जांच में सामने आया कि संजय सुरेका ने 11 सरकारी बैंकों और पांच वित्तीय संस्थानों से हजारों करोड़ रुपये का कर्ज लिया और उसे चुकता नहीं किया। इस मामले में सीबीआई ने पहले ही उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, जिसके आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की।

सोमवार देर रात जारी बयान में ईडी का कहना है कि संजय सुरेका ने अपने कर्मचारियों और परिचितों के नाम पर कई फर्जी कंपनियां बनाई थीं, जिनका इस्तेमाल कर्ज की रकम को इधर-उधर करने में किया गया। इतना ही नहीं, उनकी कंपनी ने शेयर बाजार में अपनी कीमत को कृत्रिम रूप से बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया था। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने 2022 में पहली बार उनके खिलाफ 3,280 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था, जो बाद में बढ़कर करीब छह हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

दिसंबर 2024 में ईडी ने सुरेका के दक्षिण कोलकाता स्थित बालीगंज वाले घर पर छापा मारा था। उस दौरान उनके घर से दो करोड़ रुपये नकद और 4.5 करोड़ रुपये के आभूषण बरामद किए गए थे। साथ ही, दो महंगी विदेशी कारें भी जब्त की गई थीं। छापेमारी के बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

नए एंट्री-लेवल ईवी को फॉक्सवैगन ने किया टीज

नई दिल्ली

अपने नए एंट्री-लेवल ईवी को फॉक्सवैगन ने आधिकारिक तौर पर टीज किया है। उम्मीद जताई जा रही है कि यह ईवी जल्द ही लॉन्च होने वाली है। कंपनी सूत्रों के अनुसार, यह इलेक्ट्रिक कार फॉक्सवैगन की बंद हो चुकी अप हैचबैक का ऑल-इलेक्ट्रिक रिप्लेसमेंट होगी।

इस नए मॉडल को फॉक्सवैगन आईडी.2 आल हैचबैक के नीचे पोजिशन किया जाएगा और इसकी संभावना है कि इसे आईडी. वन या आईडी. वन के नाम से बाजार में पेश किया जाएगा। टीज़र में, कार के आयताकार हेडलैम्प्स को 3डी एलईडी ग्राफिक्स के साथ दिखाया गया है, जो वीडब्ल्यू लोगो के साथ एक ब्लैक ग्रिल में इंटिग्रेटेड हैं। इसके अलावा, फ्रंट बम्पर पर वर्टिकल डीआरएल और हल्के ढंग से गढ़े गए फेंडर नजर आ रहे हैं, जो इसके डिज़ाइन को और भी आकर्षक बनाते हैं। इस इलेक्ट्रिक हैचबैक में 5 डोर और थोड़ा ऊंचा रग्ड लुक होगा, जो इसे एक मजबूत और मैस्क्युलिन फील देता है। यह नया ईवी एमईबी प्लेटफॉर्म पर आधारित होगा, जिसे आईडी.2 आल हैचबैक के साथ साझा किया जाएगा, हालांकि इसका वर्जन थोड़ा छोटा होगा। इस ईवी में सिंगल मोटर सेटअप और एक कॉम्पैक्ट बैटरी पैक हो सकता है, जो लागत को कम रखने में मदद करेगा। 2027 तक, फॉक्सवैगन अपने 9 नए इलेक्ट्रिक मॉडल्स को लॉन्च करेगा, जिनमें से यह एक होगा। यह नया एंट्री-लेवल मॉडल यूरोपीय बाजार में स्कोडा और सीट ईवी के साथ भी साझा किया जाएगा, जिसमें समान प्लेटफॉर्म और पावरट्रेन का उपयोग किया जाएगा।

ऑरा सेडान का नया कॉर्पोरेट ट्रिम लॉन्च

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी हुंडई ने अपनी ऑरा सेडान का नया कॉर्पोरेट ट्रिम लॉन्च किया है। यह ट्रिम मौजूदा एस और एसएक्स वेरियंट्स के बीच पोजिशन किया गया है और इसमें कुछ नए और उपयोगी फीचर्स जोड़े गए हैं। इस नए ट्रिम के पेट्रोल वेरियंट की एक्स-शोरूम कीमत 7.48 लाख रुपये और सीएनजी वेरियंट की 8.47 लाख रुपये रखी गई है। ऑरा कॉर्पोरेट ट्रिम में 6.5 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एलईडी डेटाइम रनिंग लैंप, 15 इंच के स्टील व्हील्स के साथ व्हील कवर, रियर विंग स्पॉइलर, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, रियर एसी वेंट, और कप होल्डर के साथ आर्मरेस्ट जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके बाहरी हिस्से पर कॉर्पोरेट का नाम भी प्रिंट किया गया है, जो इस मॉडल को एक अलग पहचान देता है। हुंडई ने कुछ समय पहले ऑरा को नए नाम से लॉन्च किया था। पहले इसे हुंडई एक्सेंट के नाम से बेचा जाता था। यह सेडान कार अब कमर्शियल यूज में भी काफी लोकप्रिय हो चुकी है। हुंडई ऑरा कॉर्पोरेट में 1.2-लीटर, चार-सिलेंडर पेट्रोल इंजन है, जो 83 एचपी और 114 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। सीएनजी वेरियंट में यह इंजन 69 एचपी और 95 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह ट्रिम केवल 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ उपलब्ध है। इस ट्रिम की कीमत एस वेरियंट से 10,000 रुपये ज्यादा है, और इसकी कीमत 6.54 लाख रुपये से 9.11 लाख रुपये के बीच है।

राष्ट्रीय खेल : तलवारबाजी में जेटली चिंगाखाम और मीना नाओरेम ने लहराया परचम

देहरादून

उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल में तलवारबाजी प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबलों में सर्विसेज के जेटली चिंगाखाम और मणिपुर की मीना नाओरेम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

पुरुषों की एपे स्पर्धा

पुरुषों की एपे स्पर्धा के फाइनल में जेटली चिंगाखाम (सर्विसेज) ने कड़े मुकाबले में जम्मू-कश्मीर के वहीद सुफयान को 11-10 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। सेमीफाइनल में जेटली चिंगाखाम ने अपने ही राज्य के पंकज कुमार को 15-11 से हराया था, जबकि वहीद सुफयान ने सर्विसेज के रॉबर्ट श्रीमयम को 15-12 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

इस स्पर्धा में जेटली चिंगाखाम ने स्वर्ण, वहीद सुफयान ने रजत और पंकज कुमार तथा रॉबर्ट श्रीमयम ने कांस्य पदक जीते।

महिला फॉयल स्पर्धा

महिला फॉयल स्पर्धा के फाइनल में मणिपुर की मीना नाओरेम ने तमिलनाडु की अशिथा जॉइस को 15-13 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। सेमीफाइनल में अशिथा जॉइस ने मणिपुर की सोनिया वैखम को 15-12 से हराया था, जबकि मीना नाओरेम ने हरियाणा की कनुप्रिया को 15-11 से मात दी थी।

इस स्पर्धा में मीना नाओरेम को स्वर्ण, अशिथा जॉइस को रजत और सोनिया वैखम तथा कनुप्रिया को कांस्य पदक प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय खेल की इस तलवारबाजी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे यह प्रतियोगिता बेहद रोमांचक और दर्शनीय बन गई।

न्यूज़ ब्रीफ

डब्यूपीएल में यूपी वॉरियर्स की कप्तानी करेंगी दीप्ति

मुम्बई। 14 फरवरी से शुरु होने वाली महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा (डब्यूपीएल) में दीप्ती शर्मा यूपी वॉरियर्स की कप्तानी करती दिखेंगी। इसका कारण है कि एलिसा हीली फिट नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गयी हैं। दीप्ति ने पिछले कुछ सालों में टीम इंडिया की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है। 14 फरवरी से महिला प्रीमियर लीग शुरु होगी। महिला प्रीमियर लीग के पहले दो सत्र में खास प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली यूपी वॉरियर्स का लक्ष्य इस बार बेहतर प्रदर्शन करना है। इसी कारण उसने दीप्ति को कप्तानी सौंपी है। दीप्ति महिला प्रीमियर लीग में हैट्रिक लेने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। उनका पिछले दो सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। वह टीम की सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक है। दीप्ति की इस टीम में ताहलिया मैक्ग्रा, चमारी अट्टापट्टू, ग्रैस हैरिस जैसी कुछ शानदार खिलाड़ी है।

इंग्लैंड दौरे में फिर मिल सकता है सरफराज को अवसर

नई दिल्ली। घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाने वाले सरफराज खान को जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से एक बार फिर अवसर मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें एक भी टेस्ट मैच में खेलने का मौका नहीं मिला पर वह चोटिल हो गए हैं। ऐसे में अब वह रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड में भी नहीं खेल पायेंगे हालांकि उनके नॉकआउट मैचों के लिए फिट होने की संभावना है। उन्हें पसलियों में हल्का फ्रेक्चर है। यह चोट उन्हें ऑस्ट्रेलिया में फील्डिंग करते समय लगी। भारत लौटने पर उनका स्कैन कराया गया जिसमें पसली में हल्का फ्रेक्चर है। भारतीय टीम को अब टेस्ट क्रिकेट जून में खेलना है। तब टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी जहां उसे मेजबानों के साथ 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से खेला जाएगा। सरफराज ने अपना आखिरी टेस्ट न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले साल नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में खेला था। उन्होंने अभी तक भारत के लिए केवल एक टेस्ट में डेब्यू किया है। ऐसे में अब वह तभी भारतीय टीम में नजर आ सकते हैं। सरफराज का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड है। उन्हें घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद साल 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। सरफराज ने अब तक 6 टेस्ट खेले हैं जिसमें उन्होंने 371 रन बनाए हैं जिसमें 1 शतक और 3 अर्धशतक शामिल है। उनका सबसे अधिक स्कोर 150 रन रहा है। इसके अलावा 54 फर्स्ट क्लास मैचों में सरफराज खान के नाम 4593 रन दर्ज हैं।

तीसरे एकदिवसीय में राहुल को शायद ही जगह मिले

मुम्बई । भारती और इंग्लैंड के बीच बुधवार को होने वाले तीसरे एकदिवसीय मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज केएल

राहुल को शामिल किये जाने की संभावनाएं बेहद कम हैं। राहुल अब तक हुए दोनो ही एकदिवसीय मैच में रन नहीं बना पाये हैं। भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली है। ऐसे में अब तीसरे मैच में बदलावों के साथ उतर सकती है। राहुल लंबे समय से अच्छी पारी खेल पाने में विफल रहे हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट प्रारुप में भी वह रन नहीं बना पाये थे। वहीं अब एकदिवसीय में भी उनका बल्ला खामोश है। सीरीज के दोनों ही मैचों में राहुल को नंबर 6 पर बल्लेबाजी करने के लिए भेजा गया पर राहुल ने लगातार दोनों मैचों में निराश किया। राहुल के बल्लेबाजी क्रम को लगातार बदलने से भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर में खेले गए पहले एकदिवसीय में राहुल 9 गेंद खेलकर सिर्फ 2 रन बना पाए थे। वहीं दूसरे एकदिवसीय में में भी राहुल 14 गेंद खेलकर केवल 10 रन ही बना पाये। ऐसे में अब तीसरे मैच में उनकी जगह को विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को शामिल किया जा सकता है।

राष्ट्रीय खेल : टेबल टेनिस में पश्चिम बंगाल ने दोनों टीम इवेंट्स में जीते गोल्ड

देहरादून

उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेल में टेबल टेनिस के टीम मुकाबलों में पश्चिम बंगाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महिला टीम फाइनल में पश्चिम बंगाल ने महाराष्ट्र को 3-1 से हराया, जबकि पुरुष टीम फाइनल में भी पश्चिम बंगाल ने महाराष्ट्र को 3-0 से मात दी।

महिला टीम फाइनल:

महिला टीम फाइनल में पश्चिम बंगाल की शुरुआत अच्छी रही, जब सुतीर्था मुखर्जी ने महाराष्ट्र की स्वस्तिका घोष को 11-8, 6-11, 14-12, 2-11, 11-5 से हराया। हालांकि, अगले मैच में महाराष्ट्र की दिया पराग चितले ने अयिहिका मुखर्जी को 12-10, 11-6, 11-5 से हराकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद पॉयमंती बैस्या ने तनीषा संजय कोटेचा को 11-8, 11-7, 6-11, 11-6 से हराकर बंगाल को 2-1 की बढ़त दिलाई। चौथे मुकाबले में अयिहिका मुखर्जी ने स्वस्तिका घोष को 11-8, 11-6, 13-11 से हराकर पश्चिम बंगाल को खिताबी जीत दिलाई।

पुरुष टीम फाइनल:

पुरुष टीम फाइनल में पश्चिम बंगाल ने महाराष्ट्र को 3-0 से हराया। पहले मुकाबले में अनिर्बान घोष ने जैश अमित मोदी को 11-7, 10-12, 6-11, 11-6, 11-4 से हराया। दूसरे मुकाबले में आकाश पाल ने रेगेन अल्बुकर्क को 11-5, 11-8, 12-10 से हराकर बंगाल की बढ़त को 2-0 कर दिया। तीसरे मैच में सौरव साहा ने महाराष्ट्र के चिन्मय सोमैया को 11-7, 11-8, 8-11, 11-6 से हराकर बंगाल को जीत दिलाई।

सेमीफाइनल मुकाबले:

- सेमीफाइनल में महिला टीम वर्ग में पश्चिम बंगाल ने दिल्ली को 3-0 से हराया।
- दूसरे सेमीफाइनल में महाराष्ट्र ने हरियाणा को 3-0 से हराया।
- पुरुष टीम सेमीफाइनल में महाराष्ट्र ने तेलंगाना को 3-0 से हराया।
- दूसरे सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल ने तमिलनाडु को 3-2 से हराया।

डबल्स और मिक्स्ड डबल्स मुकाबले:

महिला डबल्स प्री-क्वार्टर में केरल की मारिया रोनी और प्रणति पी. नायर ने कर्नाटक की तृप्ति पुरोहित और साहना मूर्ति को 11-8, 11-1, 11-7 से हराया। वहीं, गुजरात की जयस्वल नमना और ओइशिकी जोरदर ने उत्तराखंड की विदुषी जोशी और ख्याति पांडे को 4-11, 8-11, 11-7, 6-11 से हराया। इसके अलावा गुजरात की फ्रेनाज़ चिपिया और कादरीफिलजा ज़हुरहुसेन ने उत्तराखंड की आदित्री भारद्वाज और लगन की जोड़ी को 11-5, 11-4 और 11-9 से हराया।

मिक्स्ड डबल्स प्री-क्वार्टर मुकाबले में तमिलनाडु के प्रेयेश एस और श्रिया ए. ने उत्तराखंड के सक्षम मित्तल और आदित्री भारद्वाज को 13-11, 11-9, 11-5 से हराया। दिल्ली के शिवजीत सिंह लाम्बा और लक्षिता नारंग ने उत्तराखंड के आरव नेगी और लगन को 11-4, 11-8, 11-5 से मात दी।

पश्चिम बंगाल की टीम ने मिक्स्ड डबल्स में भी शानदार प्रदर्शन किया, जहां अनिर्बान घोष और अयिहिका मुखर्जी की जोड़ी ने उत्तराखंड के आकाश गुप्ता और ख्याति पांडे को 11-3, 11-7, 11-4 से हराया।

पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड के दूसरी टीम के बीच हुए मुकाबले में भी पश्चिम बंगाल ने उत्तराखंड को 3-0 से हराया। पश्चिम बंगाल के सौरव साहा और प्राप्ति सेन की जोड़ी ने उत्तराखंड के गौतम ध्रुवंश और विदुषी जोशी को 11-7,15-13,11-4 से हराया।

इसके अलावा दिल्ली के सुधांशु मैनी और वंशिका भगवान ने महाराष्ट्र के सिद्धेश मुकुंद पांडे और प्रिथा प्रिया वर्तिकार को 9-11, 9-11, 13-11,11-9,12-10 से हराया।

पुरुष डबल्स के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पश्चिम बंगाल के सौगाता सरकार और रोहित चक्रबर्ती की जोड़ी ने उत्तराखंड के सक्षम मित्तल और आरव नेगी को 11-4, 11-5,11-9 से हराया।

38वें राष्ट्रीय खेल में टेबल टेनिस के मुकाबलों में पश्चिम बंगाल का दबदबा देखने को मिला। टीम इवेंट्स के अलावा डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में भी बंगाल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अब व्यक्तिगत मुकाबलों में भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिल सकते हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी में पाक को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा : शास्त्री

दुबई

पूर्व क्रिकेटर और भारतीय टीम के कोच रहे रवि शास्त्री ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान टीम को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। इसलिए अन्य टीमों को जीत दर्ज करने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पाक टीम मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में उतरेगी। शास्त्री के अनुसार घरेलू हालातों में पाक टीम खतरनाक साबित हो सकती है। पाक1996 में विश्व कप के बाद पहली बार किसी सीनियर आईसीसी इवेंट की सह-मेजबानी करेगा। शास्त्री ने कहा, जब आप उपमहाद्वीप में अपने घरेलू मैदान पर खेलते हैं तो हमेशा ही दबाव होता है। फिर चाहे वह भारत हो, श्रीलंका हो, बांग्लादेश हो या पाकिस्तान क्योंकि सभी को अपनी टीमों से काफी उम्मीदें होती हैं पर मुझे लगता है कि पाक ऐसी टीम है, जिसने पिछले छह से आठ महीनों में सफेद गेंद वाले क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है जिसका उसे लाभ मिल सकता है। शास्त्री ने कहा कि पाक टीम इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। साथ ही कहा कि एक बार नॉकआउट में पहुंचने के बाद वह खतरनाक साबित होगी। शास्त्री ने कहा, उन्हें शीर्ष पर युवा सलामी बल्लेबाज सैम अयूब की कमी खलेगी पर उसके बल्लेबाज क्रम में पर्याप्त गहरायी है। मैं कहूंगा कि उन्हें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करना चाहिए और वहां से, यह किसी का भी खेल हो सकता है। पाकिस्तान अभी भी बहुत, बहुत खतरनाक है, और यदि वे क्वालीफाई करते हैं, तो वे काफी अधिक खतरनाक होंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग की शास्त्री की बातों से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी इकाई टूर्नामेंट में बदलाव ला सकती है। साबित हो सकती है। पोंटिंग ने कहा कि पाकिस्तान की बल्लेबाज़ी को मजबूत करने में बाबर आजम और रिजवान की अहम भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा, बाबर हाल के वर्षों में बेहतर नहीं खे पाये हैं पर अगर वह और रिजवान अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखा सकते हैं, तो पाकिस्तान अविश्वसनीय रूप से खतरनाक बन जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने यह भी स्वीकार किया कि घरेलू दर्शकों के सामने खेलने से उसके अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

एशिया मिश्रित टीम बैडमिंटन चैंपियनशिप शुरु , भारत का पहला मुकाबला मकाउ से होगा

एशिया मिश्रित टीम बैडमिंटन चैंपियनशिप मंगलवार से यहां शुरु होगी। इस चैम्पियनशिप में पी वी सिंधु की कमी भारतीय टीम को खलेगी। सिंधु चोटिल होने के कारण इस चैंपियनशिप से बाहर हैं। सिंधु की जगह विश्व रैंकिंग में 29वें नंबर की खिलाड़ी मालविका बांसोड़ को अवसर मिला है और उन्हें महिला एकल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम को इस प्रतियोगिता में ग्रुप डी में रखा गया है जहां उसका पहला मुकाबला बुधवार को मकाउ से होगा। भारतीय टीम को इसके बाद गुरुवार को दक्षिण कोरिया की मजबूत टीम से मुकाबला करना है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। भारतीय टीम को क्वार्टर फाइनल तक तो शायद ही परेशानी आये पर उसके बाद उसे आगे बढ़ने के लिए काफी प्रयास करना होगा। भारत एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में अभी तक स्वर्ण पदक नहीं जीत पाया है हालांकि उसने 2018 और 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों में मिश्रित टीम प्रतियोगिता में स्वर्ण और रजत पदक जीता था। भारतीय टीम का हाल के दिनों में टीम प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने 2022 में थॉमस कप में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय टीम की उम्मीदें एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन, अश्विनी पोनप्पा, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पर टिकी हैं।

राष्ट्रीय खेल : जूडो के पहले दिन रोमांचक मुकाबले, उत्तराखंड ने जीते 3 पदक

देहरादून

38वें राष्ट्रीय खेलों में जूडो प्रतियोगिताओं की शुरुआत शानदार रही, जहां देशभर के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट कौशल और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। मेजबान राज्य उत्तराखंड ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न भार वर्गों में पदक हासिल किए।

महिला -48 किग्रा वर्ग में उत्तर प्रदेश की अस्मिता डे ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की, जबकि महाराष्ट्र की आकांक्षा शिंदे ने रजत पदक प्राप्त किया। कांस्य पदक उत्तर प्रदेश की अंतिम यादव और पंजाब की पल्लवी को मिला।

पुरुष -60 किग्रा वर्ग में उत्तराखंड के सिद्धार्थ रावत ने बेहतरीन प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा के लक्की ने रजत पदक हासिल किया, जबकि हरियाणा के अजय और उत्तर प्रदेश के मनी शर्मा को कांस्य पदक मिला।

-66 किग्रा लड़कों की प्रतियोगिता में गुजरात के रोहित ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि हरियाणा के गर्वित ने रजत पदक जीता। कांस्य पदक उत्तराखंड के आयुष मावरी और दिल्ली के अभिजीत मलिक ने प्राप्त किया।

महिला -52 किग्रा वर्ग में महाराष्ट्र की श्रद्धा चोपड़े ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। गुजरात की महेरुके मकवाना ने रजत पदक जीता, जबकि छत्तीसगढ़ की मेहक सिंह और मणिपुर की मतुलेइबी ने कांस्य पदक जीता।

पुरुष -73 किग्रा वर्ग में सर्विसेज के अरुण कुमार ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उत्तराखंड के प्रदीप रावत ने रजत पदक जीता, जबकि अरुणाचल प्रदेश के कामडोन बाई और गुजरात के विपुल चौधरी को कांस्य पदक मिला।

महिला -57 किग्रा वर्ग में हरियाणा की अंकिता ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि गुजरात की शाहिन दरजादा ने रजत पदक पर कब्जा किया। मणिपुर की अनिता चानू और कर्नाटक की समता राणे ने कांस्य पदक जीता।

जैसे-जैसे प्रतियोगिता आगे बढ़ रही है, जूडो खिलाड़ियों का जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। दर्शक आगामी मुकाबलों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मौलि संवादः नेशनल स्पोर्ट्स कॉनक्लेव में भवानी देवी और मीर रंजन नेगी ने साझा किए अपने प्रेरणादायक अनुभव

देहरादून

38वें राष्ट्रीय खेलों के अंतर्गत चल रहे मौलि संवाद: नेशनल स्पोर्ट्स कॉनक्लेव के 13वें दिन खेल जगत की जानी-मानी हस्तियों ने अपने अनुभव साझा किए। इस खास मौके पर दो महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें पहली भारतीय ओलंपिक फेंसर भवानी देवी और पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी व कोच मीर रंजन नेगी ने अपनी प्रेरणादायक कहानियाँ सुनाईं।

पहला सत्र: अनस्टॉपेबल: भवानी देवी की यात्रा महानता और गौरव की ओर – पहले सत्र में भवानी देवी ने अपने खेल सफर की शुरुआत से लेकर ओलंपिक्स तक के सफर को साझा किया। उन्होंने बताया कि छठी कक्षा में फेंसिंग को चुनना उनके जीवन का अहम मोड़ था। अभ्यास के कठिन नियमों का पालन करते हुए उन्होंने सुबह 5 से 8 बजे और शाम 5 से 7 बजे तक कड़ी मेहनत की, जिसे उन्होंने पाँच साल तक जारी रखा। भवानी ने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट

(2007) का अनुभव साझा किया, जब देर से पहुंचने के कारण उन्हें ब्लैक कार्ड मिला और प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया। मात्र 14 वर्ष की उम्र में उन्होंने अनुशासन और समय की अहमियत को समझा। इसी घटना के बाद उन्होंने खुद से वादा किया कि वह राज्य स्तर पर पदक जीतेंगी, और फिर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त की। उन्होंने बताया कि कोविड के दौरान ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई करने के बाद उन्हें घर पर ही अभ्यास करना पड़ा। उस समय कई लोगों ने कहा कि प्रतियोगिता रद्द हो जाएगी, लेकिन उनकी माँ सबसे बड़ी प्रेरणा बनीं। भवानी ने कहा, मैं अपनी यात्रा का आनंद ले रही हूँ और अगले ओलंपिक्स, लॉस एंजेलेस 2028 की तैयारी के लिए चार साल हैं, लेकिन फिलहाल मैं अपनी प्रक्रिया से संतुष्ट हूँ।

दूसरा सत्र: ड्रिब्लिंग एडवर्सिटीज़ एनरूट टू ग्लोरी – दूसरे सत्र में पूर्व भारतीय हॉकी गोलकीपर मीर रंजन नेगी ने अपने जीवन की कठिनाइयों और संघर्षों की कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि 1982 के एशियाई खेलों में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की हार उनके जीवन का सबसे कठिन दौर बन गई। इस हार के बाद उन्हें देशद्रोही तक कहा गया, घर पर पथराव हुआ और समाज ने बहिष्कार किया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपने कठोर परिश्रम व समर्पण से वापसी की। बाद में वह भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच बने और फिर महिला हॉकी टीम को प्रशिक्षित किया, जिसने स्वर्ण पदक जीता। उनकी प्रेरणादायक यात्रा पर बॉलीवुड फिल्म चक दे इंडिया बनी, जिसमें हॉकी के दृश्य उन्हीं की देखरेख में फिल्माए गए थे। जब चक दे इंडिया रिलीज़ हुई, तो उनकी कहानी को फिर से सराहा गया। इस दौरान अपने दिवंगत बेटे को याद करते हुए उन्होंने कहा:

साथ छूट जाने से रिश्ते नहीं टूटा करते,
वक्त की धुंध में लम्हें टूटा नहीं करते।
कौन कहता है तेरा सपना टूट गया,
नींद टूटी है, सपना कभी नहीं टूटा करता।

मीर रंजन नेगी ने अभि फाउंडेशन की स्थापना की, जहाँ वह युवा खिलाड़ियों को अपने बच्चों की तरह प्रशिक्षित कर रहे हैं।

खेल प्रेमियों के लिए प्रेरणा बनीं ये कहानियाँ – भवानी देवी और मीर रंजन नेगी की कहानियाँ न केवल खेल प्रेमियों के लिए, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा हैं, जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहता है। मौलि संवाद: नेशनल स्पोर्ट्स कॉनक्लेव का यह आयोजन खेल और संघर्ष की कहानियों को सामने लाने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ।

জনতাৰ চৰকাৰ | my GOV मेरी सरकार

सत्यमेव जयते

অসম চৰকাৰ

বিদ্যালয় শিক্ষা বিভাগ

অসম ৰাজ্যিক বিদ্যালয় শিক্ষা পৰিষদ

২০২৫ বৰ্ষৰ উচ্চতৰ মাধ্যমিক চূড়ান্ত পৰীক্ষা আৰু হাইস্কুল শিক্ষান্ত পৰীক্ষাৰ পৰীক্ষাৰ্থীসকললৈ

আন্তৰিক শুভেচ্ছা

১৩ ফেব্ৰুৱাৰীৰ পৰা অনুষ্ঠিত হ'বলগীয়া উচ্চতৰ মাধ্যমিক চূড়ান্ত পৰীক্ষা আৰু ১৫ ফেব্ৰুৱাৰীৰ পৰা অনুষ্ঠিত হ'বলগীয়া হাইস্কুল শিক্ষান্ত পৰীক্ষাৰ প্ৰতিগৰাকী পৰীক্ষাৰ্থীলৈ হিয়াভৰা শুভকামনা জ্ঞাপন কৰিছোঁ।

শিক্ষা জীৱনৰ এই গুৰুত্বপূৰ্ণ পৰীক্ষাত সফল হৈ তেওঁলোকে যাতে নিজৰ লগতে ৰাজ্যখনলৈও সুখ্যাতি কঢ়িয়াই আনে।

ডাঃ ৰণোজ পেগু
শিক্ষামন্ত্ৰী, অসম

পৰীক্ষা	মুঠ পৰীক্ষাৰ্থী	পৰীক্ষা কেন্দ্ৰ
উচ্চতৰ মাধ্যমিক চূড়ান্ত পৰীক্ষা	৩,০৬,৮৪১	৮৫৬
হাইস্কুল শিক্ষান্ত পৰীক্ষা	৪,২৯,৪৪৮	৯৪৪

-- Janasanyog/D/12531/24/12-Feb-25

তথ্য আৰু জনসংযোগ সঞ্চালকালয়, অসমৰ দ্বাৰা প্ৰচাৰিত | Connect with us @diprassam | dipr.assam.gov.in